राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,20जून-2021 वर्ष-4, अंक -146पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब जानवरों तक पहुंचा कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट, तमिलनाडु में चार शेरों में हुई पुष्टि

चेन्नई। तमिलनाडु के वंडालूर में स्थित अरिगनर अन्ना जैविक उद्यान में कोविड-19 से संक्रमित चार शेरों के नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग से पता चला है कि वे वायरस के पैंगोलिन लिनियेज बी.1.617.2 प्रकार से संक्रमित थे जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेल्टा नाम दिया है। उद्यान की ओर से यह जानकारी दी गई। जैविक उद्यान के उप निदेशक ने बताया कि इस साल 11 मई को डब्ल्यूएचओ ने वायरस के बी.1.617.2 प्रकार को चिंताजनक बताया था और कहा था कि यह ज्यादा संक्रामक है। जैविक उद्यान ने कोरोना वायरस की जांच के लिए 24 मई को चार और 29 मई को सात शेरों के नमूने भोपाल स्थित आईसीएआर- राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भेजे थे। संस्थान ने तीन जून को बताया कि नौ शेरों की जांच में संक्रमण पाया गया है। इसके बाद से सिंहों का उपचार किया जा रहा है। उप निदेशक ने एक बयान में कहा कि जैविक उद्यान के अनुरोध पर संस्थान ने उस वायरस की जीनोम सीक्वेंसिंग के नतीजे साझा किये थे जिनसे शेर संक्रमित हुए थे। बयान में कहा गया, आईसीएआर-एनआईएचएसएडी के निदेशक ने बताया कि संस्थान में चारों नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग की गई। सीक्वेंस के विश्लेषण से पता चलता है कि चारों सीक्वेंस पैंगोलिन लिनिएज बी.1.617.2 प्रकार के हैं जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार डेल्टा प्रकार है। बता दें इस महीने नौ साल की शेरनी नीला और पद्मनाथन नामक 12 साल के एक शेर की कोविड-19 से मौत हो गई थी।

लीजेंड स्प्रिंटर मिल्खा सिंह का 91 साल की उम्र में कोरोना से निधन, 5 दिन पहले ही पत्नी को खोया था

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय लीजेंड स्प्रिंटर मिल्खा सिंह का निधन पोस्ट कोरोना रिकवरी के दौरान शुक्रवार रात 11:30 बजे हो गया। वे 91 साल के थे। 5 दिन पहले उनकी पत्नी निर्मल कौर का पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस के कारण निधन हो गया था। मिल्खा सिंह का चंडीगढ़ के PGIMER में 15 दिनों से इलाज चल रहा था। उन्हें 3 जून को ऑक्सीजन लेवल गिरने के कारण ढ्ढष्ट में भर्ती कराया गया था। 20 मई को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

मिल्खा सिंह को रह गया मलाल-125 करोड़ की आबादी में दूसरा फ्लाइंग सिख पैदा नहीं हुआ; नहीं चाहते थे कि बेटा स्पोर्ट्स पर्सन बने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने मिल्खा को श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने एक शानदार खिलाड़ी खो दिया। मिल्खा ने असंख्य भारतीयों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी। मिल्खा के व्यक्तित्व ने उन्हें लाखों लोगों का चहेता बना दिया। उनके निधन से दुखी हूं।

3 जून को मिल्खा को अस्पताल में भर्ती कराया गया

मिल्खा सिंह और उनकी पत्नी 20 मई को कोरोना संक्रमित पाए गए थे। 24 मई को दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 30 मई को परिवार के लोगों के आग्रह पर उनकी वहां से छुट्टी करवा ली गई थी और कुछ दिनों पहले ही वे घर लौटे थे। तब से उनका घर पर ही इलाज चल रहा था। इसके कुछ दिन बाद उनकी तबीयत फिर खराब हुई और ऑक्सीजन लेवल गिरने लगा था। 3 जून को उन्हें फिर से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। वहीं, निर्मल कौर का इलाज मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में चल रहा था।

अलविदा मिल्खा सिंह-वे कहते थे- जितनी भूख हो, उससे आधा खाइए क्योंकि बीमारियां पेट से शुरू होती हैं; खून शरीर में तेजी से बहेगा तो बीमारियां बहा देगा

मोदी ने अस्पताल में भर्ती मिल्खा सिंह से बात की थी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जून को

मिल्खा सिंह से फोन पर बातचीत की थी और उनसे स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। ब्रू ने कहा था कि मिल्खा टोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों को आशीर्वाद देने और प्रेरित करने के लिए जल्द ही वापस आएंगे। निर्मल कौर का पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस के कारण निधन हो गया था। वे 85 साल की थीं। निर्मल भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम की कप्तान रह चुकी थीं। साथ ही वे पंजाब सरकार में स्पोर्ट्स डायरेक्टर (महिलाओं के लिए) के पद पर भी रही थीं। मिल्खा सिंह के परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि निर्मल कौर का निधन 13 जून को शाम 4.00 बजे हुआ। बयान में आगे कहा गया था कि ढ्ढष्ट में भर्ती होने के कारण मिल्खा सिंह पत्नी के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके।

पाकिस्तान में हुआ था जन्म

20 नवंबर 1929 को गोविंदपुरा (जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है) के एक सिख परिवार में मिल्खा सिंह का जन्म हुआ था। खेल और देश से बहुत लगाव था, इस वजह से विभाजन के बाद भारत भाग आए और भारतीय सेना में शामिल हो गए। कुछ वक्त सेना में रहे लेकिन खेल की तरफ झुकाव होने की वजह से उन्होंने क्रॉस कंट्री दौड़ में हिस्सा लिया। इसमें 400 से ज्यादा सैनिकों ने दौड़ लगाई। मिल्खा 6वें नंबर पर आए।

भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया

1956 में मेलबर्न में आयोजित ओलिंपिक खेल में भाग लिया। कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन आगे की स्पर्धाओं के रास्ते खोल दिए। 1958 में कटक में आयोजित नेशनल गेम्स में 200 और 400 मीटर में कई रिकॉर्ड बनाए। इसी साल टोक्यो में आयोजित एशियाई खेलों में 200 मीटर, 400 मीटर की स्पर्धाओं और राष्ट्रमंडल में 400 मीटर की रेस में स्वर्ण पदक जीते। उनकी सफलता को देखते हुए, भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया।

इस तरह मिला फ्लाइंग सिख नाम

मिल्खा सिंह पाकिस्तान में आयोजित एक दौड़ के लिए गए। इसमें उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन को देखकर पाकिस्तान के जनरल अयूब खान ने उन्हें %द फ्लाइंग सिख% नाम दिया। 1960 को रोम में आयोजित समर ओलिंपिक में मिल्खा सिंह से काफी उम्मीदें थीं। 400 मीटर की रेस में वह 200 मीटर तक सबसे आगे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपनी गति धीमी कर दी। इससे वह रेस में पिछड़ गए और चौथे नंबर पर रहे। 1964 में उन्होंने एशियाई खेल में 400 मीटर और 4×400 रिले में गोल्ड मेडल जीते। मिल्खा सिंह के जीवन पर साल 2013 में बॉलीवुड हिंदी फिल्म- भाग मिल्खा भाग बनी थी। इसका निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने किया, जबकि लेखन प्रसून जोशी का था। मिल्खा सिंह की भूमिका में फरहान अख्तर नजर आए थे। अप्रैल 2014 में

सालों से कर रहा था अपनी ही दो बेटियों का बलात्कार, हुआ खुलासा तो पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के मंगलुरु शहर में एक 42 वर्षीय शख्स को अपनी ही बेटियों के साथ बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े जाने पर मालूम हुआ कि वह दोनों बेटियों के साथ कई सालों से बार- बार बलात्कार कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 जून को पत्नी द्वारा कम मसाले वाला खाना बनाने पर आरोपी भड़क गया और उसपर सिलाई मशीन फेंक मारी। इसके बाद, महिला, उसके बेटे और बेटियां के साथ घर छोड़कर अपने माता-पिता के घर चली गई, जहां उसने आपबीती सुनाई। बड़ी बेटी ने बताया कि उसका पिता 2019 से उसका बलात्कार कर रहा था, जबकि छोटी बेटी, जो कि प्री-यूनिवर्सिटी की छात्रा है, ने बताया कि उसके पिता पर 2018 से उसका यौन शोषण

कर रहा है। उसने पुलिस को यह भी बताया कि उसके पिता ने उसे धमकी दी कि वह इस सबके बारे में किसी को बताने की जुर्रत न करें। आरोपी पर अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामलों में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत बलात्कार का आरोप लगाया गया है।

कोरोना के नए वैरिएंट 'लैम्बडा' की चपेट में आए 29 देश, इसके आगे एंटीबॉडी भी होगी बेअसर

नई दिल्ली। कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से निपटने के दुनिया के प्रयासों के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि 29 देशों में कोरोना का एक और नया वेरिएंट पाया गया है। 'लैम्ब्डा' नाम के इस वेरिएंट के बारे में माना जा रहा है कि यह दक्षिण अमेरिका में पहली बार पाया गया था। डब्ल्यूएचओ ने वीकली अपडेट में कहा कि पहली बार पेरू में पाया गया, लैम्ब्डा वेरिएंट दक्षिण अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार था।

WHO ने चिंता जताई है कि संक्रमण का यह वैरिएंट कहीं दुनिया भर में ना फैल जाए। हाल ही में डेल्टा वेरिएंट ने भी दुनिया की चिंता बढ़ा दी थी। ब्रिटेन ने दावा किया है कि उसके देश में 11 दिन में मामले दोगुने हो गए और इसका जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट को माना जा रहा है।

2021 से लेकर अब तक 81 फीसदी कोरोना मामले इसी

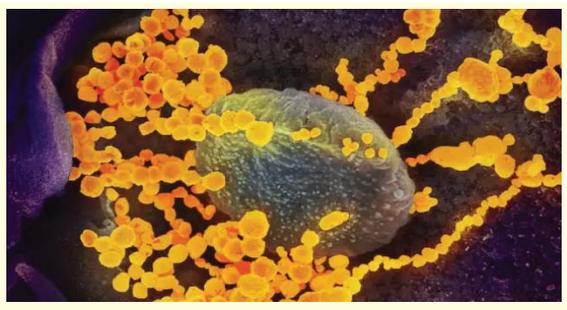

'लैम्ब्डा' नाम के इस वेरिएंट के बारे में माना जा रहा है कि यह दक्षिण अमेरिका में पहली बार पाया गया था। डब्ल्यूएचओ ने वीकली अपडेट में कहा कि पहली बार पेरू में पाया गया, लैम्ब्डा वेरिएंट दक्षिण अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार था।

कुल 29 देश चपेट में

अधिकारियों ने बताया कि पेरू में लैम्ब्डा वेरिएंट का ज्यादा असर पाया गया। पेरू में अप्रैल वेरिएंट से जुड़े हुए हैं। उधर चिली में पिछले 60 दिनों में सबमिट किए गए मामलों में से 32 प्रतिशत मामलों यह वेरिएंट पाया गया है। अर्जेंटीना और इक्वाडोर जैसे अन्य देशों में भी इस वेरिएंट के कई मामले दर्ज किए गए हैं। इन्हें मिलाकर कुल 29 देशों में इस वैरिएंट के मामले मिले हैं।

एंटीबॉडी भी होगी बेअसर

लैम्ब्डा वेरिएंट म्यूटेट होता है जो संक्रमण क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही संक्रमण के इस स्वरूप के सामने एंटीबॉडी भी असर नहीं करेगा। संगठन ने कहा कि लैम्ब्डा वेरिएंट को बेहतर ढंग से समझने के लिए और अधिक स्टडी की जरूरत है। बता दें वायरस के किसी भी स्वरूप को चिंताजनक तब बताया जाता है जब वैज्ञानिक मानते हैं कि वह अधिक संक्रामक है तथा गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। वेरिएंट की पहचान करने वाली जांच, उपचार और टीके भी इसके खिलाफ कम प्रभावी हो सकते है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गुतेरस को दी शुभकामनाएं

दोबारा चुने गए हैं यूएन में महासचिव

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस को शुभकामनाएं दी है। 193 सदस्यीय संस्था संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के तौर पर उन्हें दोबारा चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर ने घोषणा करते हुए बताया कि एंतोनियो गुतेरस को एक बार फिर से संयुक्त राष्ट्र का महासचिव नियुक्त किया जाता है। उनका दूसरा कार्यकाल एक जनवरी 2022 से आरंभ होगा और 31 दिसंबर 2026 को समाप्त होगा। बोजकिर ने 72 वर्षीय गुतारेस को संरा महासभा के हॉल में मंच पर शपथ दिलवाई।

भारत में कोविशील्ड की दो डोज में 3 माह का अंतराल सही या गलत?

अब एस्ट्राजेनेका ने खुद बताया

नई दिल्ली। कोरोना की वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने भारत में कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच 12-16 सप्ताह के अंतराल का समर्थन किया। एस्ट्राजेनेका टीके के क्लीनिकल परीक्षण के मुख्य जांचकर्ता ने कहा कि एक खुराक द्वारा उपलब्ध कराई गई सुरक्षा का स्तर टीका लगवाने के बाद दूसरे और तीसरे महीने में काफी बढ़ जाता है।

एक साक्षात्कार में प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड ने कहा कि दोनों देशों में अलग-अलग परिस्थितियों के कारण ब्रिटेन और

भारत में टीकाकरण नीति की तुलना नहीं की जानी चाहिए। ऑक्सफोर्ड वैक्सीन समूह के निदेशक पोलार्ड ने कहा,एक टीकाकरण नीति का लक्ष्य जल्द से जल्द अधिक संख्या में लोगों को टीके की कम से कम एक खुराक देना होता है जो भारत में वर्तमान परिस्थितियों में समझ में आता है। ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में बाल चिकित्सा संक्रमण और प्रतिरक्षा के प्रोफेसर पोलार्ड ने कहा कि एस्ट्राजेनेका एक खुराक वाले टीके पर काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका समूह बूस्टर या तीसरे टीके की योजना पर काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीके की कमी की स्थिति में कम संख्या में लोगों के लिए बेहतर स्तर की सुरक्षा प्रदान करने के बजाय अधिक से अधिक लोगों के लिए सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करना समझ में आता है। ब्रिटेन में कोविशील्ड खुराकों के बीच अंतराल कम करने और भारत के बढ़ाने का जिक्र करते हुए पोलार्ड ने कहा कि ब्रिटेन ने ऐसे समय में अंतराल को कम किया जब उसकी आबादी के एक बड़े हिस्से का टीकाकरण हो चुका है।

कश्मीर में चुनाव या कुछ और है प्लान ?

सियासी हलचल के बीच 24 जून को पीएम मोदी ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है। कश्मीर में विधानसभा चुनाव होगा या कुछ और बड़ा होगा, इसे लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है, क्योंकि पीएम मोदी घाटी के सभी राजनीतिक दलों के साथ इसी महीने के अंत में एक अहम बैठक करने वाले हैं। सरकारी अधिकारियों की मानें तो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने सहित राजनीतिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने की केंद्र की पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जून को वहां के सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। यह बैठक केंद्र द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन करने की घोषणा के बाद से इस तरह की पहली कवायद होगी। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय नेताओं के भाग लेने की संभावना है। माना जा रहा है कि आईबी और रॉय के भी टॉप अधिकारी शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) के अल्ताफ बुखारी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन को चर्चा के लिए आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। महबूबा ने बताया कि उन्हें केंद्र से 24 जून को बैठक के लिए फोन आया था। उन्होंने कहा कि मैंने अभी फैसला नहीं किया है। मैं अपनी पार्टी के सदस्यों से चर्चा करके अंतिम फैसला लूंगी। अब्दुल्ला और महबूबा दोनों तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। केंद्र के साथ बातचीत की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, माकपा नेता और पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) के प्रवक्ता एम वाई तारिगामी ने कहा कि नई दिल्ली से कोई संदेश नहीं आया है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो इसका स्वागत किया जाएगा। तारिगामी ने श्रीनगर से कहा कि हमने केंद्र के साथ सार्थक जुड़ाव के लिए अपने दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं। हालांकि मुझे किसी बातचीत के बारे में कोई जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है, तो इसका स्वागत किया जाएगा। पीएजीडी जम्मू कश्मीर में कुछ पार्टियों का गठबंधन है, जिसमें नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी शामिल हैं, जो केंद्र के अगस्त 2019 के फैसलों के बाद बनाया गया था। जेकेएपी के अध्यक्ष बुखारी ने कहा, मैं स्वागत करता हूं, यदि और कभी, बातचीत होती है। यह मार्च 2020 की हमारी स्थिति की पुष्टि करता है जब हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि जम्मू कश्मीर के लिए लोकतंत्र और राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संवाद ही एकमात्र तंत्र है। उन्होंने कहा, देर आये दुरुस्त आये क्योंकि हमारी सभी समस्याओं का समाधान नयी दिल्ली के पास है और कहीं नहीं है। भाजपा और कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाइयों के भी इन चर्चाओं का हिस्सा होने की संभावना है, जिन्हें केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य राजनीतिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर की सभी क्षेत्रीय पार्टियों के साथ इस माह की समाप्ति से पहले बातचीत करने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

स्विस बैंकों में बढ़ा धन

जब-जब स्विस बैंकों का जिक्र आता है, काला धन का मुद्दा सतह पर आ जाता है। हालांकि, स्विस बैंकों में जमा सभी धनराशि काला धन नहीं है। उनसे कई औद्योगिक कंपनियों के वैध खाते भी संचालित होते हैं, जो कारोबारी लेन-देन के उद्देश्य से खोले गए हैं। वैसे, आम लोगों को यह कुछ अजीब लग सकता है कि जिस कोरोना-काल में यहां लोगों की आय घट रही थी, इस दौरान स्विस बैंकों में भारतीयों की पूंजी-वृद्धि ने पिछले तेरह वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इन बैंकों में भारतीयों का धन बढ़कर 20,700 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक के मुताबिक, भारतीयों का धन नगदी के रूप में नहीं, बल्कि सिक्योरिटी, विभिन्न बॉन्ड और कई अन्य तरह की वित्तीय होल्डिंगके कारण बढ़ा है। बहरहाल, इन ब्योरों से स्विस बैंकों में कितने भारतीयों का कितना काला धन जमा है, इसका संकेत नहीं मिलता, बल्कि इनसे बस यही जानकारी मिलती है कि भारतीय खाताधारकों के प्रति स्विस बैंकों की कितनी देनदारी बनती है। काला धन के मुद्दे ने कई बार देश की राजनीति की दशा-दिशा बदली। साल 2014 के आम चुनाव में तो यह एक बहुत बड़ा मुद्दा बना था। नेताओं द्वारा चुनावी रैलियों में अतिरंजित दावे किए गए थे। इसीलिए, जब इस पर लगाम लगाने के लिए नवंबर 2016 में प्रधानमंत्री ने नोटबंदी का एलान किया, तब देशवासी काफी तकलीफें उठाकर भी सरकार के फैसले के साथ अडिग रहे। लेकिन कुछ ही महीनों में यह साफ हो गया कि इससे कोई फायदा नहीं हुआ। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है- चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर नगदी, शराब व आभूषणों की बरामदगी। बताने की जरूरत नहीं कि कुछ मायनों में नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को नुकसान ही पहुंचा। उसके बाद काला धन का मुद्दा न सरकार के लिए लोक-लुभावन बचा, और न लोगों के लिए किसी उम्मीद का बाइस रहा। फिर भी, इसको नियंत्रित करने की शासन-प्रशासन की कोशिशें बंद नहीं हुईं, हो भी नहीं सकतीं, क्योंकि यह अंतत: देश की अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह एक कटु सच्चाई है कि भारत ही नहीं, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में भी कोरोना-काल में आम लोगों की जिंदगी दुश्वार हुई, पर शीर्ष के धनपतियों व उनकी कंपनियों के खजाने में अरबों की दौलत बढ़ी। ऐसे में, स्विस बैंकों में भारतीयों के धन में बॉन्ड, सिक्योरिटी आदि के जरिए बढ़ोतरी समझी जा सकती है। लेकिन यह खुला सच है कि जितने भी 'टैक्स हैवेन' देश हैं, उनके बैंकों में दुनिया भर के रसूखदारों और धनपतियों ने विशाल धनराशि छिपा रखी है। पनामा पेपर्स लीक इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। दिक्कत यह है कि ये देश किसी प्रकार की वित्तीय जानकारी साझा नहीं करते। सरकारों के लिए लंबे समय से यह बड़ी चुनौती बनी हुई है कि कैसे कर-चोरी के इस रास्ते को बंद किया जाए? जाहिर है, कूटनीतिक तरीकों से ही ऐसे खाताधारकों तक पहुंचना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इस वक्त अच्छी नहीं है और आने वाले कुछ वर्षों में उसके आर्थिक अनुशासन की कड़ी परीक्षा होगी। इसलिए हरेक स्तर पर वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सरकार को विदेश में काला धन रखने वालों से सख्ती से निपटना होगा। देश जानना चाहेगा कि कितना काला धन उसके खजाने में लौटा?

'आज के ट्वीट

टॉप

अगले 5 साल में..अयोध्या..दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थस्थल होगा...
ये अकेला हमारी जीडीपी को टॉप पर ले आएगा
- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

परमाणु हथियारों की होड़ में लगे देश

प्रमोद भार्गव

विश्व में घातक परमाणु हथियार इकट्ठा करने की होड़ लगी हुई है। स्टॉकहोम स्थित 'अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (एसआईआरआई) के एक अध्ययन ने दावा किया है कि चीन के पास 350, पाकिस्तान 165 और भारत के पास जनवरी 2021 तक 156 परमाणु हथियार मौजूद थे। ऐसा लगता है कि ये तीनों पड़ोसी देश अपने परमाणु शस्त्रागारों का विस्तार कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस समय 13,080 परमाणु हथियार दुनिया के देशों के पास हैं। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रूस और अमेरिका के पास हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास भी हथियारों का बड़ा जखीरा है। चीन परमाणु हथियारों की संख्या के बढ़ाने के साथ उनका तकनीकी रूप से आधुनिकीकरण भी कर रहा है। सऊदी अरब, मिश्र, भारत, आस्ट्रेलिया और चीन ने 2016 से 2020 के बीच सबसे ज्यादा हथियार आयात किए हैं। वैश्विक स्तर पर हथियारों के आयात में सऊदी अरब की हिस्सेदारी 11 और भारत की 9.5 प्रतिशत है। इस समय रूस के पास 6,255, अमेरिका 5,550, फ्रांस 290, ब्रिटेऊन 225, इजराइल 90 और उत्तर कोरिया के पास 40-50 परमाणु हथियार हैं। अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआइए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट की बात मानें तो पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खूंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं। एक आतंकवाद, दूसरे ढह रही अर्थव्यवस्था और तीसरे परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण। आर्थिक संकट के ऐसी ही बद्तर हालात से उत्तर कोरिया जूझ रहा है। मानव स्वभाव में प्रतिशोध और ईर्ष्या दो ऐसे तत्व हैं, जो व्यक्ति को विवेक और संयम का साथ छोड़ देने को मजबूर कर देते हैं। इस स्वभाव को क्रूरतम परिणति में बदलते हम अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर किए परमाणु हमलों के रूप में देख चुके हैं। अमेरिका ने हमले का जघन्य अपराध उस नाजुक परिस्थिति में किया था, जब जापान इस हमले के पहले ही लगभग पराजय स्वीकार कर चुका था। पाक इस समय इसी क्रूरतम मानसिकता से गुजर रहा है। पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरनाक देश हो अथवा न हो लेकिन भारत के लिए वह खतरनाक है, इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दशकों से वह भारत पर हमला करने के लिए आतंकियों के इस्तेमाल को सही ठहरता रहा है। पाक भारत के खिलाफ छद्म युद्ध के लिए कट्टरपंथी मुस्लिम अतिवादियों को खुला समर्थन दे रहा है। मुंबई और संसद पर हमले के दिमागी कौशल रखने वाले योजनाकार दाऊद और हाफिज सईद को पाक ने शरण दे रखी है। पुलवामा हमले का अपराधी अजहर मसूद वहां कुछ समय पहले तक खुला घूमता था। यही नहीं भारत के खिलाफ आतंकी रणनीतियों को प्रोत्साहित व सरंक्षण देने का काम पाक की गुप्तचर संस्थाएं और सेना भी कर रही हैं। हालांकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को सरंक्षण देने के उपाय अब उसके लिए भी संकट बन रहे हैं। आतंकी संगठनों का संघर्ष शिया बनाम सुन्नी मुस्लिम अतिवादियों में तब्दील होने लगा है। इससे पाक में अंतर्कलह और अस्थिरता बढ़ी है। ब्लूचिस्तान और सिंघ प्रांत में इन आतंकियों पर नियंत्रण के लिए सैन्य अभियान चलाने पड़े हैं। पीओके, गिलगिट और बाल्टिस्तान में भी आक्रोश की आग सुलग रही है। बावजूद, पाकिस्तान की एक बड़ी आबादी सेना और खुफिया तंत्र तालिबान, अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी गुटों को खतरनाक नहीं मानते। इन आतंकियों को अच्छे सैनिक माना जाता है, जो धर्म के लिए अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। आज पाक में आतंकी इतने वर्चस्वशाली हो गए हैं कि लश्कर-ए-झांगवी, पाकिस्तानी तालिबान, आफगान तालिबान और कुछ अन्य आतंकवादी गुट पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार को भी चुनौती बन गए हैं। ये चुनी हुई सरकार को गिराकर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है या परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं तो तय है कि पाक को दुनिया के लिए खतरनाक देश बन जाने में देर नहीं लगेगी। इस नाजुक परिस्थिति में सबसे ज्यादा जोखिम भारत को उठाना होगा क्योंकि भारत पाक सेना और आतंकी संगठनों के लिए दुश्मन देशों में पहले नबंर पर है। हालांकि भारत के पास चीन और पाकिस्तान की तुलना में परमाणु हथियारों की संख्या कम हो, लेकिन वह अपने इन चिर-प्रतिद्वंद्वियों से युद्ध छिड़ने पर कड़ी टक्कर देने में सक्षम है। क्योंकि भारत के पास अग्नि और बेलेस्टिक मिसाइलों की बड़ी संख्या होने के साथ परमाणु हथियारों से लैस आईएनएस अरिहंत पनडुब्बी है। छह पनडुब्बियां भारत स्वदेश में ही तैयार कर रहा है। भारत ने परंपरागत डीजल-इलेक्ट्रिक चालीत पनडुब्बियों के लिए 450 किमी रेंज की बाबर-3 क्रूज मिसाइलों का सफल परीक्षण कर लिया है। भारत के रफाल, सुखोई-30, मिराज-2000, जगुआर युद्धक विमानों एक पुरा बेड़ा है। ऐसे ही कुछ और अत्याधुनिक उपकरणों से भारत अपने सैनिकों को सुसज्जित करने में लगा है। इसीलिए भारतीय सैन्य अधिकारियों का कहना है कि किस देश में हथियारों की संख्या कितनी है, इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसका डिलिवरी सिस्टम है। भारत का परमाणु हथियार जुटाने का लक्ष्य, परमाणु युद्ध टालना है। इसीलिए भारत स्वदेश के स्तर पर न्यूनतम प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। कहा जा रहा है कि यदि भारत और पाक के बीच परमाणु युद्ध का सिलसिला शुरू होता है तो इसके पहले ही प्रयोग में 12 करोड़ लोग तत्काल प्रभावित होंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर दी है कि ऐसे हालत में जिस देश पर परमाणु बम गिरेगा, वहां ड़ेढ़ से दो करोड़ लोग तत्काल मौत की गिरफ्त में आ जाएंगे। साथ ही इसके विकिरण के प्रभाव में आए लोग 20 साल तक नारकीय दुष्प्रभावों को झेलते रहेंगे। यदि यह युद्ध शुरू होता है और परमाणु अस्त्रों से हमले शुरू हो जाते हैं तो इन्हें आसमान में ही नष्ट करने की तकनीक फिलहाल कारगर नहीं है। पाक के पास फिलहाल टेक्टिकल परमाणु अस्त्र हैं। जिसकी मारक क्षमता अपेक्षाकृत कम है। इन्हें केवल जमीन से ही दागा जा सकता है। इसे दागने के लिए पाक के पास शाहीन मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 1800 से 1900 किमी है। इसकी तुलना में भारत के पास अग्नि जैसी ताकतवर मिसाइलों की पूरी एक श्रृंखला है। इनकी मारक क्षमता 5000 से 8000 किमी तक है।

यही नहीं भारत के पास परमाणु बम छोड़ने के लिए ऐसी त्रिस्तरीय व्यवस्था है कि हम जमीन, पानी और हवा से भी मिसाइलें दागने में सक्षम हैं। भारत की कुछ मिसाइलों को तो रेल की पटरियों से भी दागा जा सकता है। साथ ही हमारे पास उपग्रह से निगरानी प्रणाली भी है। बावजूद परमाणु हथियारों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा दुनिया के लिए आखिर में घातक ही सिद्ध होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

एकाग्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

एकाग्रता एक उपयोगी सत्प्रवृत्ति है। मन की अनियन्त्रित कल्पनाएं, अनावश्यक उड़ानें उस उपयोगी विचार शक्ति का अपव्यय ही करती हैं, जिसे यदि लक्ष्य विशेष पर केन्द्रित किया गया होता, तो गहराई में उतरने और महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करने का अवसर सहज ही मिल जाता। यह चित्त की चंचलता ही है, जो मनः संस्थान की दिव्य क्षमता को ऐसे ही निर्थक गंवाती रहती है और नष्ट-भ्रष्ट करती रहती है। संसार के वे महामानव जिन्होंने किसी विषय में पारंगत प्रवीणता प्राप्त की है या महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं, उन सबने विचारों पर नियंत्रण करने और उन्हें अनावश्यक चिंतन से हटाकर उपयोगी दिशा में चलाने की क्षमता प्राप्त की है। इसके बिना चंचलता की वानरी वृत्ति से ग्रसित व्यक्ति न तो किसी प्रसंग पर गहराई के साथ सोच सकता है और न ही किसी कार्यक्रम पर देर तक स्थिर ही रह सकता है। शिल्प, कला, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, व्यवस्था आदि महत्वपूर्ण सभी प्रयोजनों की सफलता में एकाग्रता की शक्ति ही प्रधान भूमिका निभाती है। चंचलता को तो असफलता की सगी बहिन माना जाता है। कहना न होगा कि बाल चपलता का मनोरंजक उपहास उड़ाया जाता है। वयस्क होने पर भी यदि कोई चंचल ही बना रहे-विचारों की दिशा धारा बनाने और चिंतन पर नियंत्रण स्थापित करने में सफल न हो सके, तो समझना चाहिए कि आयु बढ़ जाने पर भी उसका मानसिक स्तर बालकों जैसा ही बना हुआ है। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे लोगों का भविष्य उत्साहवर्धक नहीं हो सकता। आत्मिक प्रगति के लिए तो एकाग्रता की और भी अधिक उपयोगिता है। इसलिए मेडीटेशन के नाम पर उसका अभ्यास विविध प्रयोगों द्वारा कराया जाता है। इस अभ्यास के लिए कोलाहलरहित ऐसे स्थान की आवश्यकता समझी जाती है, जहां विक्षेपकारी आवागमन या कोलाहल न होता हो। एकान्त का तात्पर्य जनशून्य स्थान नहीं, वरन् विक्षेपरहित वातावरण है। सामूहिकता हर क्षेत्र में उपयोगी मानी गई है। प्रार्थनाएं सामूहिक ही होती हैं। उपासना भी सामूहिक हो, तो उसमें हानि नहीं लाभ ही है। मस्जिदों में नमाज, गिरिजाघरों में प्रेयर, मन्दिरों में आरती सामूहिक रूप से ही करने का रिवाज है। इसमें न तो एकांत की कमी अखरती है और न एकाग्रता में कोई बाधा ही पड़ती है।

कोरोना महामारी के दौर में योग की महत्ता

योगेश कुमार गोयल

गत दिनों मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के सहयोग से आयुष मंत्रालय द्वारा 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए एक घंटे का पूर्वावलोकन कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर तथा केन्द्रीय आयुष राज्यमंत्री किरेन रिजिजू द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021 की थीम 'योग के साथ रहें, घर पर रहें' के महत्व को रेखांकित किया गया। इस दौरान योग को समर्पित एक मोबाइल एप्लीकेशन 'नमस्ते योग' भी लांच किया गया। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कई योग गुरुओं तथा आध्यात्मिक नेताओं ने समूचे विश्व समुदाय से अपील की कि लोग खुद अपनी तथा मानवता की बेहतरी के लिए अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाएं। उन्होंने गहरे अध्यात्मिक आयामों से लेकर इसके दैनिक जीवन तथा कोविड संबंधित उपयोगिता तक, योग की विभिन्न अनूठी और व्यापक विशेषताओं पर बल दिया। दरअसल उत्तम स्वास्थ्य तथा रोगों के प्रबंधन और रोकथाम में योग की उपयोगिता भली-भांति स्थापित हो चुकी है। प्रतिरक्षण निर्माण तथा तनाव से राहत की दिशा में योग के लाभ जगजाहिर हैं। स्वस्थ शरीर किसी वरदान से कम नहीं है और योगासनों का लाभ तथा महत्व किसी से छिपा नहीं है। कुछ प्रमुख योगाभ्यास फेफड़ों को मजबूत बनाने के अलावा कई शारीरिक व्याधियों से बचाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे ही योगाभ्यासों में भुजंगासन, सर्वांगासन, योग मुद्रासन, शशकासन, मकरासन, विश्रामासन, गोमुखासन, उत्तानपादासन, ताड़ासन, हलासन, सेतुबंधासन, मंडूकासन, उष्ट्रासन, पवनमुक्तासन, नौकासन, शलभासन, धनुरासन, त्रिकोणासन, पश्चिमोत्तानासन, पादंगुष्ठासन इत्यादि प्रमुख हैं। अनुलोम विलोम, कपालभाति, भस्त्रिका, भ्रामरी, उज्जायी इत्यादि प्राणायाम करने से फेफड़े मजबूत होने संबंधी कई प्रमाण मिल चुके हैं। कपालभाति प्राणायाम से नसें मजबूत होने के अलावा शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से होता है, सांस की बंद नली खुल जाती है और सांस लेने में आसानी होती है। भस्त्रिका प्राणायाम से हृदय स्वस्थ होता है, नाक तथा सीने की समस्या दूर होती है, अस्थमा रोग दूर होता है, अतिरिक्त शारीरिक वजन घटता है तथा तनाव और चिंता दूर होती है। उज्जायी प्राणायाम हृदय संबंधी बीमारियों में फायदेमंद है, इससे दिमाग शांत रहता है। ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है और शरीर में गर्माहट आती है। उद्गीथ प्राणायाम करने से याद्दाश्त तेज होती है, नर्वस सिस्टम ठीक रहता है, तनाव व चिंता दूर होती है और इस प्राणायाम से वजन घटाने में मदद मिलती है। भुजंगासन अर्थात् कोबरा पोज सूर्य नमस्कार का हिस्सा है। इस आसन को करने से फेफड़े मजबूत बनते हैं, किडनी स्वस्थ होती है, रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है, लीवर संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है, तनाव, चिंता और डिप्रैशन दूर होता है। उष्ट्रासन से हृदय मजबूत होता है, पाचन शक्ति सुधरती है, मोटापा कम होता है तथा टखनों का दर्द दूर होता है। सर्वांगासन करने से मस्तिष्क में रक्त तथा ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे बाल झड़ने की समस्या दूर होती है, मानसिक तनाव कम होता है, त्वचा की रंगत निखरती है, चेहरे पर कील-मुहांसे नहीं होते, झुर्रियां नहीं पड़ती। इस आसन से थायरॉयड की समस्या ठीक हो जाती है, पेट के सभी आंतरिक अंग सही प्रकार से काम करने लगते हैं। हलासन पाचन तंत्र के अंगों की मसाज कर पाचन सुधारने में मदद करता है। इस आसन से शुगर लेवल नियंत्रित रहता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ने से वजन घटाने में मददगार है, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन बढ़ाकर कमर दर्द में आराम देता है, तनाव और थकान से राहत देता है, दिमाग को शांति मिलती है, थायरॉयड ग्रंथि से जुड़ी समस्याएं खत्म होती हैं, नपुंसकता, साइनोसाइटिस, सिरदर्द इत्यादि परेशानियों से भी राहत मिलती है। त्रिकोणासन को इम्युनिटी बूस्टर योग माना गया है। इससे पेट पर जमी अतिरिक्त चर्बी दूर होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शारीरिक संतुलन ठीक होता है, गर्दन, पीठ, कमर तथा पैर के स्नायु मजबूत होते हैं, चिंता, तनाव, कमर तथा पीठ का दर्द दूर होता है, पाचन प्रणाली ठीक होती है और एसिडिटी से छुटकारा मिलता है। ताड़ासन को माउंटेन पोज कहा जाता है। इस योग को करने से लम्बाई बढ़ती है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, शरीर में रक्त संचार सही तरीके से होता है, घुटनों, टखनों और भुजाओं में मजबूती आती है, कब्ज की शिकायत दूर होती है, श्वसन प्रणाली मजबूत होने से श्वसन संबंधी बीमारियों से छुटकारा मिलता है, सियाटिका की समस्या दूर होती है। पादंगुष्ठासन मस्तिष्क को शांत कर तनाव व हल्के डिप्रेशन में राहत देता है, किडनी तथा आंतों की कार्यपद्धति बेहतर करता है, रजोनिवृत्ति के लक्षण कम करने में मददगार है, पाचन में सुधार लाता है, जांघों को मजबूत करता है, थकान व चिंता कम करता है, सिरदर्द तथा अनिद्रा से छुटकारा दिलाता है, दमा, उच्च रक्तचाप, बांझपन, ऑस्टियोपोरोसिस, साइनस इत्यादि समस्याओं में भी लाभकारी है। धनुरासन का अभ्यास करने से किडनी के संक्रमण से निपटने में काफी मदद मिलती है, पीठ मजबूत होती है तथा पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, गर्दन, सीना और कंधे चौड़े होते हैं, हाथ-पैरों की मांसपेशियां सुडौल बनती हैं, नपुंसकता दूर करने तथा तनाव कम करने में मदद मिलती है। इस आसन को भी इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बेहतरीन योगासनों में से एक माना गया है। बहरहाल, सभी योग गुरुओं का एक ही स्वर में कहना है कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में नहीं है बल्कि समग्र कल्याण से संबंधित है, जो कोरोना महामारी के इस विकट दौर में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। दरअसल आज दुनिया संकट में है और महामारी के बीच योग इससे बाहर निकलने का रास्ता बताता है। योग जीवन के बारे में है और योगाभ्यास करना वह मार्ग है, जिसमें हमें अपनी जीवनशैली को बदलने की आवश्यकता है। अनंत काल से किया जा रहा योग केवल एक उपचार नहीं है बल्कि एक स्वस्थ और सुखी जीवन का मार्ग तथा समग्र जीवन का एक विज्ञान है। योगाभ्यास करने का सीधा सा अर्थ है एक आनंदमय जीवन व्यतीत करना। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन के अभाव में तड़पते तथा दम तोड़ते लोगों और परिवारों की जो दुर्दशा कुछ ही दिन पहले हमने देखी है, ऐसे में तो योग की प्रासंगिकता मानव जीवन में कई गुना बढ़ गई है। योग को फेफड़ों तथा हृदय की ताकत बढ़ाने में काफी कारगर माना गया है। इसके अलावा इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे शरीर में वायरस संक्रमण होने की संभावना कम हो जाती है। इसीलिए योग गुरुओं का कहना है कि स्वास्थ्य आपातकाल के वर्तमान समय में योग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा व्यापक समुदाय के लिए इसे पहुंच योग्य बनाना बेहद जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

एयरएशिया इंडिया करेगा 9 उड़ानों का संचालन, क्रू होंगे पूरी तरह से वैक्सीनेटेड

नई दिल्ली। निजी किफायती विमान सेवा कंपनी एयर एशिया इंडिया द्वारा नौ विमानों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें क्रू मेंबर्स से लेकर पायलट तक सभी पूरी तरह से वैक्सीनेटेड होंगे। यानि इन्हें टीके की दोनों ही खुराकें दी जा चुकी हैं।एयरलाइन के मुताबिक, शुक्रवार से इन उड़ानों का संचालन शुरू हुआ है। विमान सेवा कंपनी ने अपने एक बयान में कहा, पूरी तरह से वैक्सीनेटेड क्रू के साथ जिन जगहों में उड़ान भरी जा रही हैं, उनमें बेंगलुरु-कोलकाता, कोलकाता-बेंगलुरु, बेंगलुरु-चेन्नई, चेन्नई-गुवाहाटी, गुवाहाटी-बेंगलुरु, बेंगलुरु-पुणे, पुणे-जयपुर, जयपुर-पुणे और पुणे-बेंगलुरु शामिल हैं। इसमें आगे कहा गया, इन जगहों के ऑपरेटिंग क्रू सदस्यों को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है। दोनों खुराक स्वास्थ्य अधिकारियों के दिशानिदेशरें के अनुरूप और सभी अनिवार्य परीक्षणों से गुजरने के बाद प्राप्त हुए हैं और ये मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संगीता कुजूर द्वारा प्रमाणित हैं। एयरएशिया इंडिया - एयरएशिया इन्वेस्टमेंट लिमिटेड और टाटा संस के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इसने 12 जून 2014 को परिचालन शुरू किया है।

आईएमएफ ने एक अंतरराष्ट्रीय कार्बन मूल्य स्तर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने ग्लोबल वामिर्ग को सीमित करने और इस दशक में कम कार्बन वृद्धि की ओर संक्रमण को प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कार्बन मूल्य स्तर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉजीर्वा ने शुक्रवार को कहा, कार्बन पर धीरे-धीरे बढ़ती कीमत नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ गतिशीलता और कम कार्बन प्रौद्योगिकियों के लिए नवाचार और संक्रमण को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा ग्लोबल वामिर्ग को 1.5 से 2 डिग्री तक सीमित करने के लिए 2030 तक उत्सर्जन में एक चौथाई से आधे की कटौती करने की आवश्यकता होगी और इस दशक के अंत तक लगभग 75 डॉलर प्रति टन के वैश्विक कार्बन मूल्य के बराबर उपायों के बिना ऐसा होने की संभावना नहीं है। यह देखते हुए कि वर्तमान वैश्विक औसत उत्सर्जन मूल्य केवल 3 डॉलर प्रति टन है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह देखते हुए कि दुनिया भर में 60 से ज्यादा राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय कार्बन मूल्य निर्धारण योजनाओं में प्रगति हुई है, जॉजीर्वा ने कहा, हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। जॉजीर्वा ने कहा कि आईएमएफ कर्मचारी शुक्रवार को एक प्रस्ताव प्रकाशित कर रहे हैं जो यह निर्धारित करता है कि इस दशक के दौरान कम कार्बन विकास में संक्रमण को तेज करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कार्बन मूल्य मंजिल कैसे मदद कर सकता है। उन्होंने इस तरह के मूल्य स्तर के तीन महत्वपूर्ण तत्वों पर प्रकाश डाला- यह बड़ी संख्या में बड़े उत्सर्जकों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जैसे कि कुछ या सभी जी20 देश; समझौता न्यूनतम कार्बन मूल्य पर आधारित होगा - एक एकल, कुशल पैरामीटर - जो विभिन्न देशों में एक साथ कार्रवाई की अनुमति देगा; कार्बन प्राइस फ्लोर समझौता लचीला, व्यावहारिक और न्यायसंगत होगा और विभिन्न विकास स्तरों और ऐतिहासिक उत्सर्जन के आधार पर अलग-अलग मूल्य निर्धारण वाले देशों में विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए जिम्मेदार होगा। आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि कार्बन प्राइस फ्लोर व्यवस्था का मतलब प्रति कार्बन टैक्स नहीं है। उन्होंने कहा जबकि कर एक कुशल तंत्र हैं, एक मूल्य मंजिल अन्य नीतिगत उपायों के माध्यम से काम कर सकती है - जैसे कि विनियमन या उत्सर्जन व्यापार - जो समान परिणाम प्राप्त करते हैं।

वित्त वर्ष 22 में रेपो दर के अपरिवर्तित रहने की उम्मीद : एमके ग्लोबल

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक की रेपो दर वित्त वर्ष 22 के दौरान अपरिवर्तित रहने की उम्मीद है। एमके ग्लोबल ने एक रिपोर्ट में कहा है। कम रेपो दर, या वाणिज्यिक बैंकों के लिए अल्पकालिक उधार दर, ऑटोमोबाइल और गृह ऋण पर ब्याज लागत को कम करेगी, जिससे विकास की शुरूआत होगी। हालांकि, रेपो रेट कम होने से महंगाई भी बढ़ सकती है। इस महीने की शुरूआत में, केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए रेपो दर, या अल्पकालिक उधार दर को 4 प्रतिशत पर बनाए रखने के लिए मतदान किया था। इसी तरह, रिवर्स रेपो दर को 3.35 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर को 4.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था। एमपीसी के परिणाम व्यापक रूप से अपेक्षित थे क्योंकि भारत कोविड -19 संक्रमणों में बड़े पैमाने पर स्पाइक से ग्रस्त है। वैश्विक वित्तीय सेवा की रिपोर्ट प्रमुख अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, हमें वित्त वर्ष 22 में कोई दर कार्रवाई नहीं दिख रही है। हमें लगता है कि प्रीमियम को कम रखने पर आरबीआई का ध्यान गति पकड़ेगा क्योंकि वैश्विक वित्तीय स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि वित्त वर्ष 22 में कोर मुद्रास्फीति उच्च, हेडलाइन से ज्यादा और औसत आराम से 6 प्रतिशत से ऊपर रहेगी। आरबीआई अभी भी इस तथ्य में सांत्वना ले सकता है कि वित्त वर्ष 22 में हेडलाइन मुद्रास्फीति अभी भी औसत 6 प्रतिशत से कम हो सकती है और इस प्रकार उनके नीति आवास को औचित्य को उचित ठहरा सकती है। बॉन्ड यील्ड के बारे में उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में, हम 10 साल के बेंचमार्क पेपर पर केंद्रीय बैंक के सक्रिय समर्थन के बीच बॉन्ड पर तटस्थ हैं। हालांकि, हम देखते हैं कि एच2एफवाई22 में पैदावार एक व्यवस्थित और क्रमिक फैशन में बढ़ रही है। हम उम्मीद करते हैं कि यील्ड कर्व कम हो जाएगा और वित्त वर्ष22 के शेष के लिए 6-6.40 प्रतिशत की सीमा में बेंचमार्क 10-वर्ष की उपज देखेंगे।

मई 2021 में स्कोर्पियो, क्रेटा और मारुति ब्रेजा की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली। देश के कार बाजार में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारत के कार बाजार में बिकने वाली हर तीन में से एक कार स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल है। इनमें महिंद्रा स्कार्पियो, हुंडई क्रेटा, मारुति ब्रेजा जैसी कारें शामिल है। उद्योग जगत का अनुमान है कि चालू कैलेंडर वर्ष के पहले 5 महीने में 5,00,000 से अधिक एसयूवी बिके हैं। साल 2020 के 12 महीने में करीब 7,00,000 स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल बेची गई थी। साल 2021 के पहले 5 महीने में एसयूवी की जोरदार बिक्री की वजह से भारत के पैसेंजर व्हीकल मार्केट में एसयूवी की हिस्सेदारी पिछले साल के 29 से बढ़कर 35 फीसदी हो गई है अगर बात मई 2021 की करें तो स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल की कार बाजार की बिक्री में हिस्सेदारी 48.5 प्र तिशत पर पहुंच गई है। उद्योग जगत के जानकारों का कहना है कि यह बाजार की सही तस्वीर नहीं है क्योंकि कोरोना संकट के दूसरे चरण की वजह से पिछले महीने कई राज्यों में किये गए लॉकडाउन का असर मई की कार बिक्री पर देखा जा सकता है। पिछले साल कोरोनावायरस संक्रमण को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन के समाप्त खत्म होने के बाद कार की बिक्री में काफी तेजी आई थी।

सरकार का न्यूनतम वेतन तय करने में देरी का कोई इरादा नहीं: श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली:

श्रम मंत्रालय ने कहा है कि सरकार का न्यूनतम वेतन और राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी तय करने में विलंब का कोई इरादा नहीं है। इस तरह कि खबरें आई थीं कि इस मुद्दे पर तीन साल के कार्यकाल वाले विशेषज्ञ समूह के गठन का मकसद न्यूनतम वेतन और राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय करने में विलंब करना है। इन खबरों के बाद मंत्रालय ने शनिवार को यह स्पष्टीकरण दिया है। इससे पहले इसी महीने मंत्रालय ने घोषणा की थी कि केंद्र ने इस मुद्दे पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अजित मिश्रा की अगुवाई में एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया है। यह समूह न्यूनतम वेतन और मजदूरी तय करने के लिए तकनीकी जानकारी और सिफारिशें देगा। विशेषज्ञ समूह का कार्यकाल तीन साल का है। मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया के कुछ वर्गों में इस तरह की खबरें आई है कि अंशधारकों का मानना है कि यह सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन और राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी तय करने में देरी का प्रयास है। मंत्रालय ने कहा, ''हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है। विशेषज्ञ समूह जल्द से जल्द सरकार को अपनी सिफारिशें सौंपेगा।

विप्रो ने 2021 में दूसरी बार बढ़ाई सैलरी, 80 फीसदी कर्मचारियों की मिलेगा बढ़ोतरी का फायदा

बिजनेस डेस्क:

प्रमुख आईटी सेवा कंपनी विप्रो ने अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की। इससे कंपनी के करीब 80 फीसदी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। यह वेतन वृद्धि 1 सितंबर 2021 से प्रभावी होगी। चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अपने कर्मचारियों को दी गई यह दूसरी वेतन वृद्धि है। कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा, 'विप्रो बैंड बी3 (सहायक प्रबंधक एवं इससे नीचे) तक सभी पात्र कर्मचारियों के लिए योग्यता के आधार पर वेतन वृद्धि (एमएसआई) की प्रक्रिया शुरू करेगी जो 1 सितंबर 2021 से प्रभावी होगी।' जनवरी 2021 में कंपनी ने इस श्रेणी के अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। कंपनी के कुल कार्यबल में इस श्रेणी के कर्मचारियों की हिस्सेदारी करीब 80 फीसदी है। विप्रो ने कहा कि सी1 बैंड (प्रबंधक और इससे ऊपर) के सभी पात्र कर्मचारियों को 1 जून से प्रभावी वेतन वृद्धि मिलेगी। कंपनी ने कहा, 'औसतन यह वेतन वृद्धि ऑफशोर कर्मचारियों के लिए ऊचे एकल अंक में होगी जबकि ऑनसाइट कर्मचारियों के लिए यह मध्य एकल अंक में होगी। कंपनी शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को अधिक वृद्धि का तोहफा देगी।' कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए वित्तीय नतीजे जारी करते हुए कहा था कि प्रतिभाओं को कंपनी में बरकरार रखने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेगी। चौथी तिमाही के दौरान विप्रो में कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर 12.1 फीसदी रही। विप्रो के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) गौरव गोविल ने कहा, 'हम सही कौशल वाले लोगों को कौशल आधारित बोनस भी दे रहे हैं और यह पहले से ही चल रहा है।' कंपनी आपूर्ति पक्ष की मजबूती को बरकरार रखने के लिए परिसरों से भी नियुक्तियां करेगी। वित्त वर्ष 2021 में विप्रो ने विभिन्न परिसरों से 10,000 फ्रेशर्स की नियुक्ति की है। विशेषज्ञों ने कहा कि कंपनी ने नियुक्ति के लिए किसी लक्ष्य का खुलासा नहीं किया है लेकिन आईटी कंपनियां मांग के अनुसार नियुक्तियां बरकरार रखेंगी।

विप्रो एक साल के भीतर दूसरी वेतन वृद्धि देने वाली दूसरी आईटी सेवा कंपनी होगी। इससे पहले टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने थोड़े समय के अंतराल पर वेतन वृद्धि की घोषणा की थी।

पीएमसी बैंक का संकट होगा दूर, भारतीय रिजर्व बैंक से दी सेंट्रम फाइनेंशियल को स्मॉल फाइनेंस बैंक खोलने की मंजूरी

बिजनेस डेस्क:

संकटग्रस्त पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) के अधिग्रहण का रास्ता साफ करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज को लघु वित्त बैंक स्थापित करने के लिए सैद्धान्तिक मंजूरी दे दी। पीएमसी बैंक के अधिग्रहण के लिए आवेदन करने वालों में सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज भी शामिल है। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा, ''सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज लि. की एक फरवरी, 2021 की पेशकश पर सैद्धान्तिक मंजूरी दी गई है। सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज ने पीएमसी बैंक लि. की तीन नवंबर, 2020 को प्रकाशित रुचि पत्र अधिसूचना की प्रतिक्रिया में यह पेशकश की है।'' रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने निजी क्षेत्र में लघु वित्त बैंकों के लिए 'ऑन टैप' लाइसेंसिंग दिशानिर्देशों के आधार पर सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज को सैद्धान्तिक मंजूरी दी है। पीएमसी बैंक ने अपने पुनर्गठन के लिए पात्र निवेशकों से निवेश या इक्विटी भागीदारी के लिए रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे।

सितंबर 2019 में बैंक को नियामकीय अंकुशों के तहत डाला गया

सितंबर, 2019 में रिजर्व बैंक ने पीएमसी बैंक के निदेशक मंडल को भंग करते हुए उसे नियामकीय अंकुशों के तहत डाल दिया था। इसके साथ ही बैंक के जमाकर्ताओं द्वारा निकासी सीमा को भी सीमित कर दिया गया था। बैंक पर ये अंकुश रियल एस्टेट कंपनी एचडीआईएल को दिए गए ऋण के बारे में सही जानकारी नहीं देने और अन्य गड़बड़ियों का पता लगाने के बाद लगाए गए थे। 19 सितंबर, 2019 तक पीएमसी ने एचडीआईएल को 6,500 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज दिया हुआ था। यह बैंक के कुल ऋण का 73 प्रतिशत था। तब तक बैंक ने कुल 8,880 करोड़ रुपए का कर्ज दिया था। पीएमसी बैंक को प्रतिबंधों के दायरे में लाते हुए रिजर्व बैंक ने शुरू में उसके जमाकर्ताओं को मात्र एक हजार रुपए निकालने की अनुमति दी थी जिसे बाद में उनकी समस्या को कम करते हुए एक लाख रुपए तक बढ़ा दिया गया। जून 2020 में रिजर्व बैंक ने इस सहकारी बैंक पर नियामकीय प्रतिबंधों को और बढ़ाकर 22 दिसंबर 2020 तक कर दिया था।

यूट्यूब को आईओएस के लिए अमेरिका में मिला पीआईपी फीचर

सैन फ्रांसिस्को। लंबे इंतजार के बाद आईओएस के लिए यूट्यूब को आधिकारिक तौर पर पिक्च र-इन-पिक्च र (पीआईपी) सपोर्ट मिल रहा है, जो गैर-प्रीमियम और प्रीमियम - सभी यूजर्स को यूट्यूब ऐप को बंद करने और एक छोटी पॉप-अप विंडो में अपना वीडियो देखना जारी रखने की अनुमति देगा। मैकरूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यूट्यूब ने कहा है कि पीआईपी सुविधा वर्तमान में आईओएस पर सभी प्रीमियम ग्राहकों के लिए चल रही है और सभी अमेरिकी आईओएस यूजर्स के लिए एक बड़ा रोलआउट जल्द ही देखने को मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फिर से ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण जानकारी है कि यह सुविधा सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध होगी। दरअसल कुछ अटकलें लगाई जा रही थी कि यूट्यूब की सुविधा केवल भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए सीमित होगी और उन्हें पीआईपी सपोर्ट मिल पाएगा। पीआईपी, यूजर्स को अपने मोबाइल डिवाइस पर यूट्यूब ऐप के बाहर ब्राउज करते समय एक छोटे मिनी प्लेयर में यूट्यूब वीडियो देखने की अनुमति देता है। यूट्यूब पीआईपी एक निरंतर आगे और पीछे का खेल रहा है, यह कभी-कभी सफारी पर यूट्यूब वेबसाइट के माध्यम से काम करता है।

सरकार ने कहा अरहर, मूंग दाल और उड़द के दाम में आ रही है गिरावट

नई दिल्ली:

खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि जमाखोरी रोकने के लिए राज्य सरकारों के साथ किए गए समन्वित प्रयासों के बाद अरहर, मूंग दाल और उड़द जैसी दालों की खुदरा कीमतों में गिरावट का रुख बना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अरहर, मूंग दाल और उड़द की खुदरा कीमतें इस साल अब या तो स्थिर हो गई हैं या फिर इनमें गिरावट का रुख देखा जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस साल अप्रैल से 16 जून 2021 के दौरान इन तीन दालों की कीमतों में औसत वृद्धि पिछले तीन महीनों (जनवरी-मार्च, 2021) की तुलना में 0.95 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2020 की इसी अवधि में 8.93 प्रतिशत की वृद्धि और वर्ष 2019 की समान अवधि में 4.13 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में मौजूदा वृद्धि कहीं कम है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस साल एक जनवरी से 18 जून के बीच अरहर और उड़द के दाम में 10 रुपए किलो की बढ़ोतरी हुई है। मौजूदा समय में, अरहर और उड़द, दोनों की खुदरा कीमतें एक जनवरी के 100 रुपए प्रति किलोग्राम के मुकाबले 110 रुपए प्रति किलोग्राम पर चल रही हैं। वहीं वर्ष की शुरुआत से मूंग दाल की खुदरा कीमत 100 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी हुई है। केंद्र ने कहा कि उसने राज्य सरकारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि दालों की कीमतें उचित स्तर पर बनी रहें। केंद्र ने राज्यों से दलहन व्यापारियों और विभिन्न अंशधारकों को एक पोर्टल पर अपने स्टॉक का विवरण घोषित करने का निर्देश देने के लिए कहा था और इससे सकारात्मक परिणाम मिले। इसके अलावा, सरकार ने चालू 2021-22 के वित्तीय स्थिरीकरण कोष में दलहन बफर के लक्षित आकार को बढ़ाकर 23 लाख टन कर दिया। चना, मसूर और मूंग की खरीद जारी है। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से दालों की खरीद के लिए, सहकारी संस्था नाफेड राज्य सरकार की एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ी है। बफर स्टॉक से, केंद्र, राज्यों को कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए भी दलहन उपलब्ध करा रहा है और कीमतों को नरम रखने के लिए खुदरा हस्तक्षेप भी किया है।

वोडा आइडिया बेचेगी 7 हजार करोड़ रुपए के शेयर

नई दिल्ली:

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) 7,000 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए शेयरों का क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) लाने की योजना बना रही है ताकि वह अपनी वित्तीय जरूरतें पूरी कर सके। यह परिवर्तनीय डिबेंचर सहित धन जुटाने के अन्य विकल्पों के बारे में भी विचार कर रही है। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड आदित्य बिड़ला समूह और ब्रिटेन की वोडाफोन पीएलसी का संयुक्त उद्यम है।कंपनी के दोनों प्रवर्तक इसमें और पैसा लगाने से इनकार कर चुके हैं, इसलिए यह नए निवेशक तलाश रही है। एक बैंकिंग सूत्र ने कहा कि कंपनी ने पहले विदेश से कर्ज जुटाने की योजना बनाई थी, लेकिन अभी निर्गम पेश करने के उचित समय का इंतजार कर रही है। कंपनी की धन जुटाने की योजना की खबरों से वीआईएल का शेयर आज 10 फीसदी चढ़कर 10.36 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि वीआईएल ने संपर्क करने पर अपनी धन जुटाने की योजनाओं के बारे में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों प्रवर्तक कंपनी में अपनी हिस्सेदारी में अहम कमी करेंगे। वीआईएल सरकार को अपना समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया और स्पेक्ट्रम फीस चुकाने के लिए परिवर्तनीय बॉन्डों के जरिये 75 करोड़ डॉलर (करीब 5,500 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है। इसने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा में ढील की मांग को लेकर भारत सरकार के पास आवेदन दायर किया है। पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय ने दूरसंचार कंपनियों को आदेश दिया था कि वे अपने कुल एजीआर बकाये का 10 फीसदी हिस्सा 31 मार्च, 2021 तक और शेष राशि सालाना किस्तों में 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2031 तक चुकाएं। इन किस्तों का भुगतान प्रत्येक आगामी वित्त वर्ष के 31 मार्च तक करना होगा। इस आदेश के बाद कंपनी वित्तीय संकट में फंस गई।

आईबीपीएस योजना के तहत रोजगार सृजन में पहले स्थान पर आंध्र प्रदेश

चेन्नई:

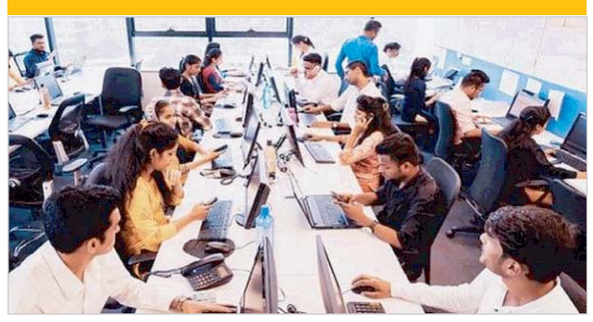

केंद्र द्वारा शुरू की गई इंडिया बिजनेस प्रोसेस आउसोर्सिंग प्रमोशन स्कीम (आईबीपीएस) के तहत नए रोजगार के सृजन के मामले में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईबीपीएस योजना से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों मे कई आईटी और बीपीओ कंपनियों का विस्तार हुआ है। आईबीपीएस योजना के तहत आंध्र प्रदेश ने सबसे अधिक 12,234 नए रोजगार के अवसरों का सृजन किया है। उसके बाद 9,401 नौकरियों के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। एसटीपीआई की ओर से जारी बयान के अलावा इनके अलावा पंजाब, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड और बिहार में रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। एसटीपीआई इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है। यह इंडिया बीपीओ प्रमोशन योजना की क्रियान्वयन एजेंसी है। बयान में कहा गया है कि हाल के बरसों में आईबीपीएस ने दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 40,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन किया है। इनमें से 38 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं को मिली हैं। पिछले साल के दौरान इन इकाइयों ने 3,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का सृजन किया। एसटीपीआई के महानिदेशक ओंकार राय ने कहा, बीपीओ प्रमोशन योजना को बीपीओ उद्योग की ओर से काफी उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया मिली है। अभी योजना के तहत 47,043 सीटों पर 252 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में है।

ग्रोफर्स के सह संस्थापक सौरभ कुमार ने भी कंपनी को छोड़ा

नई दिल्ली:

ऑनलाइन ग्रॉसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ग्रोफर्स के सह-संस्थापक सौरभ कुमार ने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है लेकिन कंपनी के सीईओ अलबिंदर ढींढसा के अनुसार, वह बोर्ड के सदस्य और शेयरधारक बने रहेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सॉफ्टबैंक समर्थित कंपनी एक प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने के बारे में विचार कर रही है। ढींडसा ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने कुमार के साथ ग्रोफर्स के निर्माण में पिछले आठ साल बिताए और एसके अन्य चुनौतियों की ओर बढ़ रहे हैं। ढींडसा ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, ''इसलिए, जबकि एसके अब ग्रोफ़र्स में दिन-प्रतिदिन की जिम्मेदारियों में शामिल नहीं होंगे, वह कंपनी में बोर्ड के सदस्य और शेयरधारक बने रहेंगे। यह ग्रोफ़र्स के लिए एक युग का अंत है और मैं जानता हूं कि हम सभी को उनकी कमी खलेगी। कुमार ने कंपनी छोड़ने के फैसले के बारे में अपने कर्मचारियों को लिखे एक ई-मेल को साझा किया। उनके अगले गंतव्य के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। पिछले साल, ढींडसा ने कहा था कि कंपनी ने 2021 के अंत तक आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की अपनी योजना को पहले खिसका लिया है। इस क्षेत्र में ग्रोफर्स का मुकाबला अमेजन, फ्लिपकार्ट, अलीबाबा समर्थित बिगबास्केट और अरबपति मुकेश अंबानी के अपस्टार्ट जियोमार्ट जैसी कंपनियों से है। भारत का 950 अरब डॉलर का खुदरा बाजार वर्ष 2025-26 तक बढ़कर 1300 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। इसमें से ई-कॉमर्स व्यवसाय लगभग 78 अरब डॉलर का है और वर्ष 2025 तक इसके 100 अरब डॉलर का हो जाने का अनुमान है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ग्रोफर्स की 10-12 करोड़ डॉलर का धन जुटाने के लिए बातचीत चल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले खिलाड़ी रोनाल्डों

लिसबेन । पुर्तगाल से स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डों यूरोपीय चैंपियनशिप 2020 में खेल रहें हैं। हंगरी के खिलाफ दो गोल करके वह यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने हैं। लेकिन रोनाल्डो मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोशल मीडिया पर भी छाए हुए हैं। इसकारण है कि वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति बने हैं। रोनाल्डो के इंस्टाग्राम पर 300 से अधिक मिलियन फॉलोवर्स हो गए हैं। रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा 300 मिलियन फॉलोवर्स हो चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति बने हैं। इंस्टाग्राम पर 200 मिलियन फॉलोवर्स वाले भी वह पहले शख्स हैं। फैन फॉलोइंग के मामले में रोनाल्डो के आस-पास भी कोई नहीं है। हॉलीवुड के अभिनेता ड्वेन जॉनसन इंस्टाग्राम पर दूसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति हैं। जॉनसन के 246 मिलियन फॉलोवर्स हैं। पिछले साल आई रिपोर्ट के मुताबिक रोनाल्डो सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं। मार्च 2019 से 2020 तक रोनाल्डो ने अकेले इंस्टाग्राम से 50.3 मिलियन डॉलर मिले। यह उनके क्लब जुवेंट्स द्वारा दी जा रही सैलरी (33 मिलियन डॉलर) से कहीं ज्यादा है।

मिल्खा सिंह का एक सपना- हिंदुस्तान को ओलंपिक में मेडल मिले

नई दिल्ली।

महान धावक मिल्खा सिंह 60 साल पहले ओलंपिक पदक जीतने से मात्र कुछ इंचों से दूर रह गए थे। ओलंपिक में एथलेटिक्स में किसी भारतीय को पदक जीतते देखना उनका सपना था। हालांकि उनका यह सपना अधूरा ही गया और शुक्रवार रात उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। मिल्खा सिंह का 400 मीटर का रिकॉर्ड 38 साल तक जबकि 400 मीटर एशियन रिकॉर्ड 26 साल तक कायम था। सिंह के परिवार में तीन बेटियां डॉ मोना सिंह, अलीजा ग्रोवर, सोनिया सांवल्का और बेटा जीव मिल्खा सिंह हैं। गोल्फर जीव, जो 14 बार के अंतरराष्ट्रीय विजेता हैं, भी अपने पिता की तरह पद्म श्री पुरस्कार विजेता हैं।अधिकारियों के अनुसार, शनिवार शाम पांच बजे पूरे राजकीय सम्मान के साथ मिल्खा सिंह का अंतिम संस्कार किया जाएगा। मिल्खा को चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था। पूर्व एथलीट, जिसे फ्लाइंग सिख नाम से भी माना जाता था, को एक सप्ताह तक मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में इलाज के बाद ऑक्सीजन के स्तर में गिरावट के बाद 3 जून को पीजीआईएमईआर में भर्ती कराया गया था। बाद में उनका कोविड टेस्ट निगेटिव आया था, इसलिए उनके पार्थिव शरीर को इस समय सेक्टर 8 स्थित उनके आवास पर रखा गया है। उनके आवास पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, जिसमें प्रमुख हस्तियों के वहां जाने की उम्मीद है। मिल्खा ने एक बार युवा एथलीटों को संबोधित करते हुए कहा था, मरने से पहले मिल्खा सिंह का एक सपना है-हिंदुस्तान को ओलंपिक में पदक मिले। मैं मरने से पहले, किसी भारतीय एथलीट को ओलंपिक में पदक जीतते देखना चाहता हूं। भारत के पास ओलंपिक में एथलेटिक्स में अब एक भी ओलंपिक पदक नहीं है। मिल्खा तब लोकप्रिय हुए जब उन्होंने 1960 के रोम ओलंपिक खेलों में 45.6 सेकंड का समय निकालकर चौथा स्थान हासिल किया। उस समय तक, यह एक व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने के लिए एक भारतीय एथलीट के सबसे करीब था। बाद में, निश्चित रूप से, पी.टी. ऊषा 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में 400 मीटर दौड़ में एक कांस्य पदक से चूक गईं। उसने 55.42 सेकेंड का समय निकाला और केवल 0.01 सेकेंड से कांस्य पदक से चूक गई। सेक्टर 7 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के भीतर चंडीगढ़ का सात लेन का सिंडर ट्रैक अभी भी इच्छुक और अनुभवी एथलीटों का घर है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने मिल्खा सिंह को दी श्रद्धांजलि, काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे

साउथम्पटन।

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने शनिवार से यहां द रोज बाउल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले से पहले महान धावक मिल्खा सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मिल्खा सिंह का शुक्रवार रात चंडीगढ़ में निधन हो गया। मिल्खा के सम्मान में भारतीय खिलाड़ी अपने अपने बाजूओं पर काली पटटी बांधकर मैदान पर मैच खेलने उतरे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, भारतीय क्रिकेट टीम ने मिल्खा सिंहजी की याद में काली पट्टी बांधी हुई है, जिनका कोविड-19 के कारण निधन हो गया। महान धावक मिल्खा सिंह का शुक्रवार रात निधन हो गया। वह 91 साल के थे और कोविड-19 के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई के बाद विजेता के रूप में सामने आए थे। शनिवार शाम पांच बजे पूरे राजकीय सम्मान के साथ मिल्खा सिंह का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने यहां द रोज बाउल में भारत के खिलाफ शुरू हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में शनिवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच के पहले दिन शुक्रवार को टॉस नहीं हो पाया था। बारिश के कारण पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया और टॉस हुए बिना ही स्टंप्स की घोषणा कर दी गई थी।

पीटी ऊषा.. जब मिल्खा सिंह ने मुझसे कहा, जाओ और देश के बाहर दौड़ो

चेन्नई। अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए विदेशों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हर हाल में भाग लेना चाहिए। पीटी ऊषा जब 1982 में पहली बार मिल्खा सिंह से मिली थी,तब उड़न सिख ने यह सलाह उन्हें दी थी। मिल्खा सिंह का शुक्रवार की रात निधन हो गया था। ऊषा ने मिल्खा सिंह से कोरिया में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान हुई मुलाकात को याद किया। ऊषा ने कहा, मैं मिल्खा जी से पहली बार 1982 में मिली थी और यह यादगार मुलाकात थी। उन्होंने मुझे प्रदर्शन में सुधार करने के लिये अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर ध्यान देने की सलाह दी थी। '' उड़न परी ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा, जाओ और देश के बाहर दौड़ो। तभी तुम सुधार कर सकती हो और विदेशी एथलीटों को चुनौती दे सकती हो। पयोली एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर ऊषा ने कहा कि उनके कोच ओ एम नांबियार ने मिल्खा सिंह से उनका परिचय कराया था और वह कभी उनसे गुर सीखने में पीछे नहीं रही। ऊषा ने कहा, ''जब से मेरे कोच ने मिल्खा जी से मेरा परिचय करवाया तो फिर मैं उनसे कई सवाल करती थी और वह हमेशा उनका जवाब देने के लिये तैयार रहते थे। वह सुझाव देते थे और प्रेरणादायी अंदाज में बात करते थे।

'फ्लाइंग सिख' मिल्खा पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

चंडीगढ़ ।

भारत के महान धावक मिल्खा सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को चंडीगढ़ स्थित श्मशान घाट में हुआ। मिल्खा सिंह का लगभग एक महीने तक कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद शनिवार को चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर में निधन हो गया। मिल्खा सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू, पंजाब के राज्यपाल वीपी सिंह, चंडीगढ़ के प्रशासक वी पी सिंह बडनोर, पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इसके साथ ही पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो.जगत राम भी मिल्खा सिंह के अंतिम संस्कार में उपस्थित थे। सिंह की हालत शाम से ही खराब थी और बुखार के साथ ऑक्सीजन भी कम हो गई थी। वह यहां पीजीआईएमईआर के आईसीयू में भर्ती थे। उन्हें पिछले महीने कोरोना हुआ था और बुधवार को उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी।उन्हें जनरल आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था। गुरूवार की शाम से पहले उनकी हालत स्थिर हो गई थी।इस महान धावक के सम्मान में पुलिस दल ने अपने हथियारों को उल्टा किया। मिल्खा को तोपों की सलामी भी दी गई, पंजाब सरकार ने मिल्खा सिंह के निधन पर एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह ने इससे पहले कहा था कि उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कोहली ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड, सबसे अधिक टेस्ट मैचों के कप्तान बने

साउथम्पटन। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच एजिस बाउल मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वहीं विराट कोहली ने डब्ल्यूटीसी के फाइनल में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वहां भारत की तरफ से सबसे अधिक टेस्ट मैचों में कप्तान बन गए हैं। उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली भारत की तरफ से 61 वें मैच में कप्तानी कर रहे हैं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के बाद साल 2014 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। कोहली टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सर्वाधिक टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के मामले में छठे नंबर पर हैं। इस सूची में टॉप पर ग्रीम स्मिथ हैं, जिन्होंने रिकॉर्ड 109 मैचों में टीम की कप्तानी की। स्मिथ 100 से अधिक टेस्ट मैचों में कप्तानी करने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एलन बॉर्डर 93 टेस्ट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

कोपा अमेरिका : अर्जेंटीना ने उरूग्वे को हराया, चिली ने बोलिविया को हराया

साओ पाउलो : अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका फुटबॉल के अपने दूसरे मैच में उरूग्वे को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही लियोनेल मेस्सी की टीम ग्रुप ए में चिली के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। मिडफील्डर गुइडो रौद्रिगेज ने ब्रासीलिया में खेले गए मैच के 13वें मिनट में हेडर पर गोल दागा। मेस्सी ने उन्हें बाईं ओर से क्रॉस दिया था। गेंद गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा के दाहिने ओर पोस्ट से टकराकर नेट के भीतर गई। इससे पहले इंग्लैंड मूल के स्ट्राइकर बेन ब्रेरेटन के गोल की मदद से चिली ने बोलिविया को 1-0 से हराया। अर्जेंटीना ने चिली से 1-1 से ड्रॉ खेला था। इसके बाद डिफेंस में चार बदलाव किये गए। अब अर्जेंटीना को सोमवार को पराग्वे से खेलना है। उसी दिन उरूग्वे की टक्कर चिली से होगी। पराग्वे को हराकर अर्जेंटीना शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा ताकि नार्कआउट चरण के शुरूआती मैच में ही ग्रुप बी की शीर्ष टीम ब्राजील से भिड़ंत टाली जा सके।

आयरलैंड के आलराउंडर केविन ओ ब्रायन ने वनडे से लिया संन्यास

डबलिन।

विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले आयरलैंड के आलराउंडर केविन ओ ब्रायन ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि वह टेस्ट और टी20 मैच खेलना जारी रखेंगे। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, 37 साल के ओ ब्रायन ने 22 साल की उम्र में 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में डब्यू किया था। उन्होंने 153 वनडे मैचों में 114 विकेट लिए हैं, जबकि उनके नाम 68 कैच पकड़ने का नेशनल रिकॉर्ड है। केविन ओ ब्रायन के भाई नील ओ ब्रायन ने 2018 में ही संन्यास ले लिया था। केविन ओ ब्रायन ने कहा, आयरलैंड के लिए 15 साल खेलने के बाद मुझे लगता है कि अब वनडे क्रिकेट से दूर होने और संन्यास लेने का सही समय है। 153 मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। मैं उनसे जो यादें लेता हूं वह जीवन भर चलेगी। केविन ओ ब्रायन ने बेंगलुरू में 2011 के विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाया था। उन्होंने 50 गेंदों में शतक पूरा किया था। केविन ओ ब्रायन ने इस मैच में 63 गेंदों में 113 रन बनाए थे और आयरलैंड ने इस मैच में इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया था।

खेलने का अनुभव नहीं होने से भारतीय पारी लड़खड़ा गई: स्मृति मंधाना

ब्रिस्टल।

भारत की सलामी महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि सत्र के आखिरी क्षणों में खेलने का अनुभव नहीं होने से इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे दिन भारतीय पारी लड़खड़ा गई। मंधाना और शेफाली वर्मा ने 167 रन की साझेदारी की। इससे पहले इंग्लैंड ने पहली पारी 9 विकेट पर 396 रन पर घोषित की थी। भारत ने 5 विकेट हड़बड़ी में गवाएं जिसके बाद टीम को फॉलोआन खेलना पड़ा। तीसरे दिन बारिश के कारण खेल जल्दी समाप्त होने के बाद मंधाना ने कहा कि दिन के आखिर में नाबाद रहने का थोड़ा दबाव होता है, जिसका असर पड़ा होगा। यह अनुभव के साथ ही सीखेंगे। हम जितना अधिक टेस्ट मैच खेलेंगे, उतना ही हालात के अनुरूप ढल सकेंगे। लंच से ठीक पहले का एक ओवर या दिन का खेल समाप्त होने से पहले का ओवर, यह खेलने के लिए अधिक परिपक्वता चाहिए। दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा कि हमें 50 ओवर से आगे खेलने की आदत नहीं है, लेकिन मैं टेस्ट मैच के अनुभव के अभाव के कारण आउट नहीं हुई। मैंने आखिरी सत्र में अपना विकेट गंवा दिया। तीसरे दिन के आखिर में भारत का स्कोर एक विकेट पर 83 रन था और अभी भी पारी की हार से बचने के लिए उसे 82 रन बनाने हैं। हालात कुछ बदले हैं। हवा चल रही है, लेकिन उतनी स्विंग नहीं है। बल्लेबाजी के लिए विकेट अच्छी है।

हैदराबाद एफसी ने डि सिल्वा के साथ तीन साल का करार किया

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद एफसी (एचएफसी) ने युवा फुटबॉलर आरेन डि सिल्वा के साथ तीन साल का करार करने की घोषणा की है। इस करार के बाद सिल्वा अब 2023-24 सीजन तक हैदराबाद के साथ बने रहेंगे। गोवा में जन्में आरेन शुरूआत में ही पेशेवर फुटबॉल से जुड़ गए थे। वह चार साल तक एसईएसए फुटबॉल अकादमी से जुड़े रहे। इसके बाद गोवा प्रो लीग में 2016-17 के अलावा आई-लीग के अंडर-19 टूर्नामेंट में भी खेले। सिल्वा ने कहा, मैं हैदराबाद एफसी का हिस्सा बनकर वास्तव में उत्साहित हूं। मैंने पहले ही कोच से बात की है और यह मुझे और भी उत्साहित करता है। मैं टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं, और एचएफसी में अपना नाम बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने क्लब के लिए अपना बेस्ट दूंगा।

जापान ने भारतीय ओलंपिक दल पर लगाए कड़े नियम, आईओए ने कहा- अनुचित और भेदभावपूर्ण

नई दिल्ली ।

जापान की सरकार ने तोक्यो ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों को रवानगी से एक हफ्ते पहले रोज कोविड-19 जांच कराने और पहुंचने के बाद तीन दिन तक किसी अन्य देश के किसी भी व्यक्ति से मेलजोल नहीं करने को कहा है जिससे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) काफी नाराज है। ये सख्त नियम उन 11 देशों के सभी यात्रियों- जिसमें खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ शामिल हैं - के लिये लगाये गये हैं जहां कोविड-19 के अलग वैरिएंट मिले हैं। इन देशों में भारत भी शामिल हैं। आईओए ने इनकी काफी कड़ी आलोचना की और इन्हें ''अनुचित और भेदभावपूर्ण'' बताया। भारत में दूसरी लहर के बाद कोविड-19 हालात काफी सुधर चुके हैं और रोज संक्रमण के मामले तीन लाख से ज्यादा से घटकर अब 60,000 हो गए हैं। भारत को ग्रुप एक में अफगानिस्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। ग्रुप एक देशों के लिए सलाह के अनुसार कि यात्रा करने से पहले : आपको जापान के लिए रवानगी से पहले सात दिन तक प्रत्येक दिन परीक्षण कराना होगा। इसके अनुसार, ''शारीरिक दूरी : जापान के लिए रवानगी से पहले सात दिन, आपको अन्य लोगों से शारीरिक मेलजोल बिलकुल न्यूनतम रखनी होगी, जिसमें कोई अन्य टीम, दल या देश शामिल हैं। यहां तक खिलाड़ियों और अधिकारियों को जापान पहुंचने के बाद तीन दिन तक अपने दल के अलावा किसी अन्य से मेलजोल की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया कि खेलों के दौरान, आपका हर दिन परीक्षण होगा जो सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए होगा। सलाह में कहा गया कि जापान में आपके पहुंचने के तीन दिन आप किसी अन्य टीम, दल या देश से किसी से भी शारीरिक रूप से मेलजोल नहीं कर पाओगे। खिलाड़ियों को खेल गांव में भी अपनी प्रतिस्पर्धा शुरू होने से पांच दिन पहले ही प्रवेश दिया जायेगा। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा और महासचिव राजीव मेहता ने संयुक्त बयान में नए नियमों पर सवाल उठाए। इस संयुक्त बयान के अनुसार कि खिलाड़ियों को खेल गांव में अपनी स्पर्धा से केवल पांच दिन पहले ही प्रवेश दिया जाएगा। अब तीन दिन का समय बरबाद होगा, यह ऐसा समय होता है जिसमें खिलाड़ियों को अपनी फार्म के शीर्ष पर पहुंचने की जरूरत होती है। भारतीय खिलाड़ियों के लिये अनुचित है। उन्होंने कहा कि इन तीन दिनों में खिलाड़ी अपना नाश्ता, लंच आर डिनर वगैरह कब और कहां करेंगे क्योंकि हर कोई खेल गांव के 'फूड हॉल% में खाना लेता है जहां सभी खिलाड़ी और अन्य राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) के अधिकारी हमेशा मौजूद रहते हैं।

आईएसएल और आई लीग में विदेशी खिलाड़ियों को नहीं खिलाए: स्टिमक

कोलकाता। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे फुटबॉलरों के अभाव पर चिंता व्यक्त कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई लीग से सुनील छेत्री जैसे खिलाड़ियों को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। भारत के पास अच्छे स्ट्राइकरों के अभाव का सबूत कतर में विश्वकप क्वालीफायर मैचों में स्पष्ट रूप से सामने आया। भारत उम्रदराज सुनील छेत्री पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रहा। उन्होंने बांग्लादेश के विरुद्ध दो गोल किए,इसके बाद भारत अपनी एकमात्र जीत दर्ज करने में सफल रहा। भारत के 2023 एशियाई कप के अंतिम क्वालीफाईंग राउंड में जगह बनाने के बाद स्टिमक से अगले छेत्री के बारे में पूछे जाने पर उल्टे सवाल दाग दिए। आपको क्या लगता है कि भारत में कौन सा खिलाड़ी छेत्री की जगह ले सकता है? क्या आपको कोई ऐसा खिलाड़ी नजर आता है, जो सेंटर फारवर्ड के रूप में अहम भूमिका निभा सके? उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम को क्लबों से निकले खिलाड़ियों का फायदा मिलना चाहिए। राष्ट्रीय टीम कोई अकादमी नहीं है। हम खिलाड़ी पैदा करने की फैक्टरी नहीं हैं। टीम को उन कमजोरियों का सामना करना पड़ रहा है जो देश की शीर्ष लीग आईएसएल में दृष्टिगोचर होती हैं। हम उन्हीं खिलाड़ियों का उपयोग कर सकते हैं जो हमें आईएसएल, आई लीग या भारत की अन्य छोटी लीगों से मिलते हैं। राष्ट्रीय टीम के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। लेकिन हम उस (छेत्री) जैसा खिलाड़ी कहां खोजें? उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तब तकनीकी दक्षता रखने वाले खिलाड़ी बहुत अधिक नहीं हैं। अधिकतर टीमों में प्रमुख स्थानों पर विदेशी खिलाड़ी खेलते हैं। इसकारण खिलाड़ियों के चयन के लिए हमारा आधार बेहद सीमित है। और यह आसान नहीं है। जब हम भारतीय खिलाड़ियों का चयन करते हैं,तब हमारे पास बहुत कम विकल्प होते हैं। स्टिमक ने कार्यकाल हाल में सितंबर तक बढ़ाया गया था।

कैसे चली उड़न तश्तरी

बात करीब 60 साल पुरानी है। 1947 में केनेथ अर्नाल्ड नामक एक व्यापारी ने अपने निजी विमान से हवाई यात्रा करने के दौरान पहली बार वाशिंगटन स्थित माउंट रेनियर के निकट करीब नौ उडते हुए ऑब्जेक्ट्स देखे। उनके अनुसार ये ऑब्जेक्ट्स करीब 2500 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहे थे। अर्नाल्ड ने बताया कि इन ऑब्जेक्ट्स को देखकर ऐसा लग रहा है कि मानो कोई तश्तरी पानी की सतह पर उछल रही हो।

अब आप लोग सोच रहे होंगे कि आखिर ये ऑब्जेक्ट्स क्या बला हैं। अरे! यह वही ऑब्जेक्ट्स है, जिसे आप लोग अपनी भाषा में उड़न तश्तरी कहते हो। पर वैज्ञानिक भाषा में इसे यू.एफ.ओ. कहा जाता है। यू.एफ.ओ का मतलब होता है- अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट। इनके माध्यम से दूसरे ग्रह से पृथ्वी पर आने वाले जीव को एलियन कहा जाता है। अरे वही जिसे आप लोग जादू के नाम से जानते हों।

वैसे यू.एफ.ओ को फ्लाइंग सॉसर के नाम से भी जाना जाता है।

क्या है यूफोलॉजी

अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट से संबंधित रिपोर्ट्स, उनकी गतिविधियों, उनसे संबंधित प्रमाणों आदि का अध्ययन करना ही यूफोलॉजी कहलाता है और इनका अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक को यूफोलॉजिस्ट कहा जाता हैं।

प्रोजेक्ट ब्लूबुक

सन् 1947 से 1969 तक अमेरिकी एयरफोर्स ने यू.एफ.ओ इनवेस्टिगेशन के लिए एक विशेष प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसे प्रोजेक्ट ब्लूबुक का नाम दिया गया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत यह जानने के लिए की गई कि यू.एफ.ओ जैसी घटनाएं किस कारण होती हैं? क्या इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है या फिर इनको विकसित करने की क्या कोई तकनीक है? लेकिन कुछ समय बाद कोई ठोस जानकारी न मिलने के कारण इस प्रोजेक्ट को अंततः बंद कर दिया गया।

चालाकी में माहिर है टिटहरी

टिटहरी एक ऐसा अनोखा पक्षी है जो उड़ता कम है। यह अपना अधिकांश समय तालाब और झीलों के नजदीक गुजारता है। वैसे यह भारत वर्ष के लगभग सभी प्रदेशों में पाया जाता है। इसे अंग्रेजी में लेपविंग कहते हैं। भारत में टिटहरी की 2.3 जातियां ही पाई जाती हैं।

टिटहरी का कुछ-कुछ बगुले से मिलता जुलता होता है। गर्दन बगुले से छोटी होती है। सिर तथा गर्दन के ऊपर की तरफ और गले के नीचे का रंग काला होता है। इसके पंखों का रंग चमकीला कत्थई तथा सिर गर्दन के दोनों ओर एक सफेद चौड़ी पट्टी होती है। टिटहरी की दोनों आंखों के सामने एक गूदेदार रचना पाई जाती है। इस रचना को देखकर यह पक्षी दूर से ही पहचान लिया जाता है।

फिर खिल उठी मुस्कान

(कहानी)

एक सुंदर कस्बा था। नाम था सुंदरपुर। कस्बे से थोड़ी दूर की पहाड़ी पर ठाकुरजी का मंदिर था। मंदिर में ठाकुरजी की मनमोहक मूर्ति थी। मंदिर में पूजन और देखभाल के लिए एक बूढ़ा पुजारी मंदिर के पास ही रहता था। इस बूढ़े पुजारी का नाम धापू बाबा था। धापू बाबा अब बुजुर्ग हो चले थे और उनकी आँखों की रोशनी जाती रही। वे मन की आँखों से ही अपने ठाकुरजी को निहारते थे।

धापू बाबा भले व्यक्ति थे। ठाकुरजी के दर्शन के लिए आने वाले लोगों को वे अच्छी बातें कहते। अच्छी सलाह देते। इसी कस्बे में दो सहेलियाँ भी रहती थीं - खुशबू और पंखुरी। वे पूजन का सामान तैयार करने में धापू बाबा की मदद करती थीं। दोनों धापू बाबा से तरह-तरह की बातें करतीं और जाते-जाते आशीर्वाद लेकर जातीं।

दोनों ही सहेलियों को मंदिर जाना बहुत अच्छा लगता था इसलिए वे किसी भी सुबह चूकती नहीं थीं। कस्बे से मंदिर तक जो रास्ता जाता था वह भी सुंदर नगर की तरह ही सुंदर था। उस पर तरह-तरह की झाड़ियाँ और पेड़ थे। इन झाड़ियों में तरह-तरह के पंछी रहते थे और भीनी-भीनी खुशबू वाले हजारों फूल खिलते थे। खुशबू और पंखुरी को इस रास्ते से अठखेलियाँ करतेहुए जाना बहुत भाता था।

सुबह-सवेरे वे दोनों इस रास्ते से गुजरतीं तो कबूतरों की नींद इन्हीं लड़कियों की आवाज से खुलती थी और फिर उनकी गुटर-गूँ सुनाई देने लगती। मानो कह रहे हों कि अब हम जाग गए हैं। इन लड़कियों की आहट पर एक गिलहरी झाड़ियों से दौड़कर निकलती और जल्दी से पेड़ पर चढ़ जाती। चिड़ियाओं को भी इन बच्चियों का आपस में बात करते हुए रास्ते से गुजरना बहुत लुभाता था। रास्ते में पड़ने वाले इन सभी की दोनों सहेलियों से जान-पहचान-सी हो गई थी।

इसलिए इन दोनों को देखते ही वे जोर-जोर से शोर मचाने लगते थे। मानो सुबह का नमस्कार कह रहे हों। यह सबकुछ सुनकर दोनों सहेलियों के चेहरे पर मुस्कान खिल जाती थी। रास्ते में रंग-बिरंगे फूल हवा में झूलते रहते थे। यहाँ से वहाँ तक तरह-तरह के फूल। दोनों मंदिर जाते-जाते कुछ फूल चुनकर अपनी झोली में भर लेतीं ताकि मंदिर में इन फूलों से ठाकुरजी का श्रृंगार कर सकें। धापू बाबा को अच्छी सहायक मिली थीं। नजर कमजोर होने के कारण उन्हें फूलों के रंग तो दिखलाई नहीं पड़ते थे, पर फूलों को हाथ में लेते ही उसकी खुशबू से वे अंदाज लगा लेते थे कि आज ठाकुरजी के लिए कौन-से फूल आए हैं। फूल मंदिर पहुँचने के बाद ठाकुर जी का श्रृंगार करते धापू बाबा दोनों बच्चियों से बात भी करते जाते।

एक दिन उन्होंने बच्चियों से कहा कि अगर तुम ठाकुरजी को चमेली के फूल चढ़ाओ तो वे तुम्हारे मन को शांति देंगे। और आज तुम जो गुलाब तोड़कर लाई हो उनके बदले ठाकुरजी तुम्हें प्रेम और खुशी देंगे।

एक दिन खुशबू ने पूछा कि पुजारी जी अगर हम ठाकुरजी को कमल का फूल चढ़ाएँगे तो हमें क्या मिलेगा? पुजारी जी बोले - कमल तो ठाकुरजी को सबसे प्रिय हैं। अगर तुम कमल का फूल लाती हो तो यह समझो भगवान सबसे ज्यादा खुश होंगे।

खुशबू यह सुनकर खुश हो गई। खुशी में नाचने लगी। पंखुरी को कुछ समझ नहीं आया। उसने कहा - हमारे आसपास तो कहीं भी कमल का फूल नहीं उगता है फिर तुम खुश क्यों हो रही हो? खुशबू थोड़ी देर चुप रही फिर बोली कि पहाड़ी के पार जो तालाब है उसमें मैंने एक कमल की कली देखी है।

कल तक वह कली फूल बन जाएगी। कल सुबह मैं वहाँ जाकर उसे तोड़ लाऊँगी। पर वह तालाब तो मेरे बाबा का है, पंखुरी ने कहा। खुशबू को मालूम नहीं था कि पंखुरी ऐसा जवाब देगी। वह थोड़ा उदास हो गई और बोली - हो सकता है, पर वहाँ तो कोई भी नहीं जाता। कमल वहाँ खिलते रहते हैं और फिर अपने आप वहीं झर भी जाते हैं। मैंने ही कमल वाली जगह खोजी है इसलिए वह कमल का फूल तो मेरा हुआ न।

पंखुरी बोली - ऐसे कैसे तुम्हारा हुआ? वह तालाब तो मेरे बाबा का है। खुशबू बोली - तो क्या?

पंखुरी ने कहा - तो इसका मतलब साफ है कि उस कमल पर मेरा ही अधिकार बनता है।

इस बातचीत के बाद दोनों के बीच अनबन हो गई और पूरे रास्ते आपस में बिना बात किए दोनों घर आ गईं। उस दिन रास्ते में चिड़िया और कबूतर भी उदास था।

अगले दिन जैसे ही सूरज उगा तो खुशबू पहाड़ी पार करने के लिए निकली। उसने देखा आसमान में नारंगी सूरज दिखलाई पड़ रहा है। हवा भी ठंडी है। पहाड़ी पार करके तालाब तक पहुँचकर उसे बहुत खुशी हुई पर यहाँ उसे अपनी सहेली पंखुरी की याद आई और वह उदास हो गई।

तभी उसके दिल की धड़कन तेज हो गई जब उसने देखा कि पंखुरी तालाब से कमल का फूल हाथ में लेकर चली आ रही है। पंखुरी को देखकर खुशबू झाड़ी के पीछे छिप गई। पंखुरी जल्दी-जल्दी पहाड़ी चढ़ी और मंदिर की तरफ बढ़ी। यह सब देखकर खुशबू की आँखों में आँसू आ गए। खुशबू को बहुत दुख हुआ कि उसकी सबसे प्यारी सहेली ने उसके साथ छल किया।

इधर पंखुरी सीधे मंदिर पहुँची। धापू बाबा स्नान करके लौट रहे थे और अब पूजा करने जा रहे थे। किसी के आने की आवाज सुनकर उन्होंने पूछा - कौन है?

मैं कमल का फूल लेकर आई हूँ बाबा। आवाज आई।

बहुत अच्छे, मैं तुम्हारे नाम से ही यह फूल भगवान को चढ़ाऊँगा। पर मैं तुम्हें एकदम पहचान नहीं पा रहा हूँ, तुम खुशबू ही हो ना?

पंखुरी ने कोई जवाब नहीं दिया। खुशबू मंदिर के बगीचे की झाडियों के पीछे छिपकर सबकुछ सुन रही थी। उसने जब धापू बाबा के मुँह से अपना नाम सुना तो वह रोने लगी।

इधर पंखुरी ने कुछ जवाब नहीं दिया।

तुम खुशबू ही होना? पुजारी बाबा ने फिर पूछा।

अचानक पंखुरी ने जवाब दिया- हाँ बाबा। यह कमल खुशबू के नाम से ही भगवान जी को चढ़ाइएगा और कहिएगा कि वे खुशबू को ढेर सारा प्यार और खुशियाँ दें।

झाड़ियों के पीछे छिपी खुशबू ने जब यह सुना तो वह चिल्लाकर बोली - रूको बाबा, फूल पंखुरी लेकर आई है

पंखुरी बोली - पर फूल वाली जगह का पता तो तुमने ही लगाया, मैं तो बस तोड़कर लाई। इसलिए ठाकुरजी को फूल तुम्हारे नाम से चढ़ना चाहिए।

यह सुनकर बाबा बोले - अरे, अरे प्यारी बच्चियों! मेरी बात सुनो। इसमें झगड़ने की क्या बात है। जब मैं यह फूल ठाकुरजी को चढ़ाऊँगा तो तुम दोनों का नाम ले दूँगा। भगवान जी तुम दोनों को अपना आशीर्वाद और प्यार देंगे। वे बहुत दयालु हैं। वे तुम दोनों से प्रसन्न होंगे। ईश्वर की कृपा तुम पर है और तुम दोनों बहुत अच्छी लड़कियाँ हो।

बातचीत खत्म हुई और पंखुरी और खुशबू मंदिर से बाहर आ गईं। दोनों एक-दूसरे की तरफ देखकर मुस्कराईं। जो मुस्कान रूठ गई थी वह फिर से दोनों के चेहरों पर थी। दोनों को मन में बहुत अच्छा लग रहा था। वे दोनों फिर से उसी फूलों भरे रास्ते पर उछलते-कूदते, नाचते-गाते घर लौट रही थीं। खुशी के इस प्रसंग में कबूतरों ने गुटर-गूँ की और चिड़िया ने एक गीत गाया।

अब तो आन पड़ी है

अकबर बादशाह को मजाक करने की आदत थी। एक दिन उन्होंने नगर के सेठों से कहा-''आज से तुम लोगों को पहरेदारी करनी पड़ेगी।''

सुनकर सेठ घबरा गए और बीरबल के पास पहुँचकर अपनी फरियाद रखी।

बीरबल ने उन्हें हिम्मत बँधायी-''तुम सब अपनी पगडियों को पैर में और पायजामों को सिर पर लपेटकर रात्रि के समय में नगर में चिल्ला-चिल्लाकर कहते फिरो, अब तो आन पड़ी है।''

उधर बादशाह भी भेष बदलकर नगर में गश्त लगाने निकले। सेठों का यह निराला स्वांग देखकर बादशाह पहले तो हँसे, फिर बोले-''यह सब क्या है ?''

सेठों के मुखिया ने कहा-''जहाँपनाह, हम सेठ जन्म से गुड़ और तेल बेचने का काम सीखकर आए हैं, भला पहरेदारी क्या कर पाएँगे, अगर इतना ही जानते होते तो लोग हमें बनिया कहकर क्यों पुकारते ?''

बादशाह अकबर बीरबल की चाल समझ गए और अपना हुक्म वापस ले लिया।

सत्य और असत्य का अंतर

एक बार बादशाह ने बीरबल से पूछा बीरबल! सत्य और असत्य में क्या अंतर है? बीरबल ने कहा हुजूर! जितना आँख और कान में है। बादशाह ने कारण पूछा तो तो उन्होंने जवाब दिया देखिये जो बात अपनी आँख से देखी जाय, वह सत्य है, उसे कोई झुठा नहीं कर सकता, लेकिन कान से सुनी जानी वाली बात असत्य होती है, इसीलिए सत्य और असत्य में आँख और कान का अंतर है।

पिटाई में हिस्सेदारी

स्कूल की छुट्टी हुई। एक बालक अपने कंधे पर बस्ता लटकाए हुए बाहर निकला तो उसने देखा कि एक मज़बूत कद-काठी वाला नौजवान एक दुबले-पतले लड़के को बेंत से मार रहा है। उसने मधुर शब्दों में उस बलशाली युवक से पूछा, ''भाई साहब, आप इस लड़के को कितनी बेंत मारना चाहते हैं?''

युवक ने उसे झिड़कते हुए कहा, ''इससे तुम्हें क्या मतलब?''

उस बालक ने धीरे से कहा, 'मैं इतना ताकतवर तो नहीं हूं कि इस बालक के पक्ष में आप से लड़ सकूं।

किन्तु मैं इतना अवश्य कर सकता हूं कि इसकी पिटाई में हिस्सेदार बन जाऊं।'

'' क्या मतलब?''

''मेरा मतलब है कि आप इस लड़के को जितने बेंत मारना चाहते हो, उसके आधे मेरी पीठ पर मार लीजिए।''

युवक ने उस साहसी बालक को आश्चर्य से देखा। उसे अपने आप पर शर्म आई कि वह कमजोर लड़के को बुरी तरह से पीट रहा है और एक यह लड़का है, जो उसके बदले मार खाने के लिए तैयार है। उसने उसी क्षण बेंत को तोड़ कर फेंक दिया।

उस कमजोर लड़के को बचाने वाला वह साहसी बालक आगे चलकर अंग्रेजी साहित्य में कवि 'लार्ड बायरन' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

स्वर्ग और नरक

जापान के जैन समुदाय के एक महान आचार्य थे, रिंजेई। उनकी ख्याति दूर-दूर तक थी। एक दिन एक युवक उनके पास आया। उसने कहा - मुनिवर मैं स्वर्ग और नरक के रहस्य को जानना चाहता हूँ। कृपया मुझे समझाएं। रिंजेई ने गौर से उसे देखा। फिर प्रश्न किया वह मैं समझाता हूँ। पर तुम कौन हो? करते क्या हो? युवक ने बड़े दर्प से कहा - मैं योद्धा हूँ। राजा की सेना में एक उच्च पद पर...

रिंजेई बोले - योद्धा? तुम क्या योद्धा होंगे। देखने में तो घसियारे या मोची लगते हो।

युवक ने तैश में आकर कमरबंद में खोंसी हुई तलवार निकाल ली और बोला - क्या यह तलवार आपको दिखाई नहीं दी? क्या यह मेरे योद्धा होने का प्रमाण नहीं है?

रिंजेई पुनः उपहासपूर्वक उसे देखते हुए बोले - हुंह। तलवार! इस तलवार से तो सब्जी-भाजी भी न कटती होगी। तुम इससे घास छीलते होगे।

युवक तलवार को म्यान से खींचकर बोला - बहुत हो गया। अब अपने एक भी अपशब्द कहा तो यह तलवार आपकी गर्दन धड़ से अलग करके ही म्यान में लौटेगी।

रिंजेई के चेहरे पर एक शांत मुस्कान तैरने लगी। वह बोले - युवक, अब तुम नरक में हो। अच्छी तरह देख लो। समझ लो।

अपना संयम खोने और आवेश की ज्वाला में जलने का परिणाम क्षण भर में युवक के सम्मुख स्पष्ट हो गया। उसने लज्जित होकर क्षमा माँगी और सिर झुकाकर आचार्य रिंजेई के चरणों के समीप बैठ गया। रिंजेई ने कहा - वत्स, यही स्वर्ग है।

नमक के कण से भी छोटी बैटरी

दुनिया की सबसे छोटी 'लिथियम-आयन' बैटरी तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ने का दावा किया गया है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे छोटी 'लिथियम-आयन' बैटरी तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ने का दावा किया है, जो नमक के कण से भी छोटी हो सकती है। अगली पीढ़ी की बैटरी तैयार कर रहे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि यह बैटरी नमक के कण से बड़ी नहीं होगी।

अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि इन बैटरियों का इस्तेमाल सूक्ष्म से अतिसूक्ष्म उपकरणों में इलेक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल अवयवों को ऊर्जा देने में किया जा सकता है। रसायन अभियांत्रिकी की एक प्राध्यापक जेन चांग इन बैटरियों के एक अवयव को तैयार कर रही हैं। चांग के हवाले से 'लाइव साइंस' ने बताया है कि हम इस कामयाबी को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिये वह अपने सहयोगियों के साथ तीन पहलुओं पर काम कर रही हैं।

दुनिया है बड़े कमाल की

दुनिया है बड़े कमाल की, हैं कहानियां हजारों साल की
सब करते हैं दुनियादारी, ताकि रहे ये दुनिया हमारी
लन्दन, पेरिस, यूरोप, इण्डिया, नाम हन्हें किसने दिया
कितने साल पहले , शुरू हुई दुनिया हमारी
क्या कोई जानता है? नहीं, बरसो से है ये रीति आई
और जानना है दुनिया के बारे, करनी होगी हमें इससे यारी

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

न्यूयॉर्क में डेल्टा कोरोना वैरिएंट का कहर, 6 प्रतिशत से अधिक मामलों में हुई पुष्टि

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी के स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शहर में कोविड-19 जांच में छह प्रतिशत से अधिक मामलों में संक्रमण के 'डेल्टा' स्वरूप की पुष्टि हुई है। न्यूयॉर्क के स्वास्थ्य विभाग ने अपने हालिया अपडेट में कहा कि पांच जून को समाप्त हुये सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रकार के वायरस के लिए परीक्षण किए गए 105 कोविड-19 मामलों में से, 6.7 प्रतिशत डेल्टा (बी.1.617.2) स्वरूप का है। विभाग ने कहा, ''वर्तमान में बी.1.1.7 (अल्फा) और बी.1.526 (योटा) शहर में सबसे तेजी से फैलने वाले स्वरूप हैं। हमलोग पी.1 (गामा) और बी.1.617.2 (डेल्टा) की भी निगरानी कर रहे हैं जो अमेरिका एवं अन्य देशों में तेजी से फैल रहा है।'' विभाग के अनुसार शहर में कोविड-19 के 105 नए मामलों में 36.2 प्रतिशत (38 मामले) अल्फा स्वरूप के हैं जबकि योटा स्वरूप के मामले 4.8 प्रतिशत (पांच) और गामा स्वरूप के मामले 17.1 प्रतिशत (18) हैं। इसके अनुसार डेल्टा स्वरूप के सात मामले आये हैं और आंकड़ों में आगे कहा गया है कि पिछले चार सप्ताह में डेल्टा स्वरूप के 5.6 प्रतिशत मामले आये। न्यूयॉर्क सिटी के महापौर बिल डे ब्लासियो ने बृहस्पतिवार को कहा कि शहर के अस्पतालों में रोजाना कोविड-19 जैसे लक्षण वाले 68 मरीज भर्ती हो रहे हैं। उन्होंने बताया किसंक्रमण दर 8.22 प्रतिशत है।

कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए भारत सरकार और अन्य कंपनियों के साथ काम कर रहा डब्ल्यूएचओ

संयुक्त राष्ट्र। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) एस्ट्राजेनेका, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और भारत सरकार के साथ काम करने की ''तत्काल'' कोशिश कर रहा है ताकि उन देशों को कोविड??-19 टीकों की खेप पहुंचाना फिर से शुरू किया जा सके, जो आपूर्ति बाधित होने के कारण अपने देशवासियों को टीकों की दूसरी खुराक नहीं लगा पाए। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम गेब्रेयसस के वरिष्ठ सलाहकार ब्रूस आयलवर्ड ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ऐसे कई देश हैं, जिन्हें टीकों की दूसरी खुराक देने की प्रक्रिया निलंबित करनी पड़ी।'' आयलवर्ड ने कहा, ''30 या 40 देश ऐसे हैं, जिन्हें एस्ट्राजेनेका टीके की दूसरी खुराक की आवश्यकता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि ''हम एस्ट्राजेनेका, एसआईआई और भारत सरकार के साथ काम करने की ''तत्काल'' कोशिश कर रहे हैं'' ताकि उन देशों को कोविड??-19 टीकों की खेप पहुंचाना फिर से शुरू कियाजा सके, जो आपूर्ति बाधित होने के कारण टीकों की दूसरी खुराक नहीं लगा पाए, क्योंकि अब अंतराल बढ़ रहा है। आयलवर्ड ने कहा कि विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका, लातिन अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में संक्रमण की दूसरी लहर कारण इन टीकों की आपूर्ति बाधित हुई।

रूस 18 दिसंबर को ओपन स्काई संधि छोड़ेगा

मॉस्को । रूस आधिकारिक तौर पर ओपन स्काई पर संधि से हट जाएगा। अमेरिका के साथ एक हथियार नियंत्रण समझौते के तहत 18 दिसंबर को दोनों देशों में सैन्य सुविधाओं पर निहत्थे निगरानी उड़ानों की अनुमति दी थी। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को एक बयान में, मंत्रालय ने घोषणा की कि उसने रूस के पीछे हटने के सभी संबंधित पक्षों को सूचित कर दिया है और यह निर्णय छह महीने में लागू होगा। मंत्रालय ने हथियार नियंत्रण संधि को बनाए रखने के रूस के प्रयासों को याद किया और दोहराया कि अमेरिका इसके पतन के लिए जिम्मेदार है। 7 जून को, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ओपन स्काई पर संधि छोड़ने के लिए कानून पर हस्ताक्षर किए। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने एक साल पहले घोषणा की थी कि वाशिंगटन ओपन स्काई से हट जाएगा, यह आरोप लगाते हुए कि रूस ने इसकी शर्तों का उल्लंघन किया है। अवलंबी जो बाइडन प्रशासन ने मई में उस निर्णय पर टिके रहने का फैसला किया।

लेबनान, संयुक्त राष्ट्र ने हथियारों की तस्करी को नाकाम करने के इजरायली दावे की जांच शुरू की

बेरूत । लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) और बेरूत के अधिकारियों ने इजरायल के इस दावे की जांच शुरू कर दी है कि उसने हथियारों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है। सूत्र ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी को बताया कि इजरयली सेना ने यूनिफिल को सूचित किया कि उसने लेबनान के सीमावर्ती शहर खियाम में मोटेला की इजरायली बस्ती का सामना करने वाले एक स्थान पर छोड़े गए 12 पिस्तौल वाले बैग को लेने की कोशिश करने वाले एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। सूत्र के अनुसार, बख्तरबंद वाहनों द्वारा समर्थित एक इजरायली पैदल सेना बल ने शुक्रवार को मोटेला की परिधि के आसपास लेबनान और इजरायल को अलग करने वाली सीमा की बाड़ के साथ एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया। लेबनानी सेना, यूएनआईएफआईएल के साथ समन्वय में, इजरायली सेना की निगरानी तब तक करती रही जब तक कि वह सीमा की बाड़ से पीछे नहीं हट गई। लेबनान और इजरायल के बीच की सीमा रेखा लगभग 120 किमी तक फैली हुई है और दोनों देशों की सेनाओं के बीच कभी-कभार तनाव होता है। यूएनआईएफआईएल को मार्च 1978 में सुरक्षा परिषद द्वारा लेबनान से इजरायल की वापसी की पुष्टि करने, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बहाल करने और क्षेत्र में अपने प्रभावी अधिकार को बहाल करने में लेबनानी सरकार की सहायता करने के लिए बनाया गया था।

ईरान में आई नई सरकार, राष्ट्रपति पद के चुनाव में कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख रईसी की जीत

दुबई। (एजेंसी)।

ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव में देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के कट्टर समर्थक एवं कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख इब्राहीम रईसी ने शनिवार को बड़े अंतर से जीत हासिल की। ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में देश के इतिहास में इस बार सबसे कम मतदान हुआ। प्रारंभिक परिणाम के अनुसार, रईसी ने एक करोड़ 78 लाख मत हासिल किए। चुनावी दौड़ में एकमात्र उदारवादी उम्मीदवार अब्दुलनासिर हेम्माती बहुत पीछे रहे गए।

बहरहाल, खामेनेई ने रईसी के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी को अयोग्य करार दे दिया था, जिसके बाद न्यायपालिका प्रमुख ने यह बड़ी जीत हासिल की। रईसी की उम्मीदवारी के कारण ईरान में मतदाता मतदान के प्रति उदासीन नजर आए और पूर्व कट्टरपंथी राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद सहित कई लोगों ने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया। ईरान के गृह मंत्रालय में चुनाव मुख्यालय के प्रमुख जमाल ओर्फ ने बताया कि प्रारंभिक परिणामों में, पूर्व रेवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर मोहसिन रेजाई ने 33 लाख मत हासिल किए और हेम्माती को 24 लाख मत मिले। एक अन्य उम्मीदवार आमिरहुसैन गाजीजादा हाशमी को 10 लाख मत मिले।

उदारवादी उम्मीदवार एवं 'सेंट्रल बैंक' के पूर्व प्रमुख हेम्माती और पूर्व रेवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर मोहसिन रेजाई ने रईसी को बधाई दी।

हेम्माती ने शनिवार तड़के इंस्टाग्राम के माध्यम से रईसी को बधाई दी और लिखा, ''मुझे आशा है कि आपका प्रशासन ईरान के इस्लामी गणराज्य को गर्व करने का कारण प्रदान करेगा, महान राष्ट्र ईरान के कल्याण के साथ जीवन और अर्थव्यवस्था में सुधार करेगा।'' रेजाई ने मतदान में हिस्सा लेने के लिए खामेनेई और ईरानी लोगों की ट्वीट करके प्रशंसा की। रेजाई ने लिखा, ''मेरे आदरणीय भाई आयतुल्ला डॉ. सैयद इब्राहीम रईसी का निर्णायक चयन देश की समस्याओं को हल करने के लिए एक मजबूत और लोकप्रिय सरकार की स्थापना का वादा करता है।'' चुनाव में किसी उम्मीदवार का शुरुआत में ही हार स्वीकार कर लेना ईरान के चुनावों में कोई नई बात नहीं है। यह बात का संकेत देता है कि सावधानी से नियंत्रित किए गए इस मतदान में रईसी ने जीत हासिल की है।

कुछ लोगों ने इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस बार मतदान प्रतिशत 2017 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव के मुकाबले काफी नीचे लग रहा है। रईसी की जीत की आधिकारिक घोषणा के बाद वह पहले ईरानी राष्ट्रपति होंगे जिन पर पदभार संभालने से पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है। उनपर यह प्रतिबंध 1988 में राजनीतिक कैदियों की सामूहिक हत्या के लिये तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलने वाली ईरानी न्यायपालिका के मुखिया के तौर पर लगाया गया था। रईसी की जीत से ईरान सरकार पर कट्टरपंथियों की पकड़ और मजबूत होगी और यह ऐसे समय में होगा, जब पटरी से उतर चुके परमाणु करार को बचाने की कोशिश के तहत ईरान के साथ विश्व शक्तियों की वियना में वार्ता जारी है। ईरान फिलहाल यूरेनियम का बड़े स्तर पर संवर्धन कर रहा है। इसे लेकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसका तनाव काफी बढ़ा हुआ है। माना जाता है कि इन दोनों देशों ने ईरानी परमाणु केंद्रों पर कई हमले किये और दशकों पहले उसके सैन्य परमाणु कार्यक्रम को बनाने वाले वैज्ञानिक की हत्या करवाई।

संयुक्त राष्ट्र, भागीदारों ने 2020 में कोविड राहत के लिए 3.7 बिलियन डॉलर जुटाए

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि संघर्षों और बढ़ते जलवायु संकट के बीच 2020 में कोविड -19 राहत के लिए भागीदारों के साथ 3.7 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो पहले से ही रिकॉर्ड-उच्च मानवीय जरूरतों को उत्पन्न कर रहा था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अंडर सेक्रेटरी-जनरल मार्क लोकॉक, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के प्रमुख भी हैं, ने शुक्रवार को कहा कि यह एक किसी अन्य की तरह वर्ष नहीं था। उन्होंने कहा कि विश्व निकाय और उसके सहयोगियों ने 63 देशों में कोविड -19 के लिए वैश्विक मानवीय प्रतिक्रिया योजना में 9.5 बिलियन डॉलर की मांग की थी। उन्होंने 3.7 अरब डॉलर जुटाए।

लोकॉक ने कहा, गैर-कोविड सहायता के लिए 2020 के लिए ओसीएचए-समन्वित वैश्विक मानवीय अवलोकन ने 38.5 बिलियन डॉलर का आह्वान किया, केवल 19 बिलियन डॉलर का वित्त पोषण किया गया था। उन्होंने कहा कि सीरिया के 17 मिलियन लोगों में से आधे से ज्यादा को आपातकालीन सहायता की आवश्यकता है, और ओसीएचए ने संसाधन जुटाए, मानवीय पहुंच पर बातचीत की और नागरिकों की सुरक्षा की वकालत की। मुख्य मानवीय समन्वयक ने कहा, यमन 2020 में दुनिया का सबसे खराब संकट बना रहा, जिसमें 13 मिलियन लोग अनिश्चित थे कि उनका अगला भोजन कहां से आएगा और 16,000 लोग भूखे मरेंगे। कम धन ने संचालन को कम करने के लिए मजबूर किया। ओसीएचए ने बताया कि जलवायु संकट अफ्रीका के साहेल और हॉर्न, कैरिबियन और मध्य अमेरिका, फिलीपींस और वियतनाम और दक्षिण प्रशांत, वानुअतु में बल के साथ आया।

अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने की घोषणा, देश में 150 दिन में लगाए गए 30 करोड़ टीके

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि देश में उनके कार्यभार संभालने के बाद से 150 दिन में कोरोना वायरस रोधी टीकों की 30 करोड़ खुराक लगाई गईं। बाइडन ने इसका श्रेय वैज्ञानिकों, कंपनियों, अमेरिकी लोगों और उनकी सरकार के प्रयासों को दिया।

राष्ट्रपति ने कहा कि 65 प्रतिशत वयस्कों को कम से कम एक खुराक लग गई है, जिससे उम्मीद है कि इस बार गर्मियों में हालात अपेक्षाकृत सामान्य रहेंगे, कारोबार फिर से खुलेंगे और नियोक्ता भर्तियां करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, ''पिछले साल की तुलना में अगली गर्मियों में स्थिति अलग होगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस बार गर्मियां खुशियां लेकर आएं।'' रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने बताया कि अमेरिका में एक जून तक 30 करोड़ 50 लाख खुराक दी गई थीं। लगभग 14 करोड़ 16 लाख लोगों या अमेरिका की 42.6 प्रतिशत आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। अमेरिका में करीब दो सप्ताह पहले करीब 20 लाख लोगों को प्रतिदिन टीके लग रहे थे, लेकिन इस गति में अब कमी आई है, जिसके कारण 70 प्रतिशत आबादी का चार जुलाई तक कम से कम आंशिक टीकाकरण कर दिए जाने का बाइडन का लक्ष्य संकट में नजर आ रहा है। बाइडन प्रशासन का कहना है कि 70 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य भले ही पूरा न पाए, लेकिन इसका अमेरिका के समग्र रूप से पटरी पर लौटने पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा।

यूएन ने म्यामांर में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया, भारत ने नहीं लिया मतदान में हिस्सा

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक दुर्लभ कदम उठाते हुए म्यामांर की सैन्य सरकार के खिलाफ व्यापक वैश्विक विरोध प्रकट करते हुए एक प्रस्ताव पारित कर देश में सैन्य तख्तापलट की निंदा की है, उसके खिलाफ शस्त्र प्रतिबंध का आह्वान किया है तथा लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को बहाल करने की मांग की है। भारत समेत 35 देशों ने इन प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत का कहना है कि मसौदा प्रस्ताव उसके विचारों को प्रतिबिम्बित नहीं करता। भारत ने अपने बयान में कहा, ''आज के मसौदा प्रस्ताव में हमारे विचार प्रतिबिंबित होते प्रतीत नहीं हो रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देता रहा है और ऐसे में हम इस बात को दोहराना चाहते हैं कि इस प्रस्ताव में म्यामां के पड़ोसी देशों एवं क्षेत्र को शामिल करते हुए एक ''सलाहकार एवं रचनात्मक'' दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है।'' भारत ने कहा, ''पड़ोसी देशों और क्षेत्र के कई देशों से इसे समर्थन नहीं मिला है। आशा

है कि यह तथ्य उनके लिए आंख खोलने वाला होगा, जिन्होंने जल्दबाजी में कार्रवाई करने का विकल्प चुना।'' उसने कहा कि उसका मानना है कि इस प्रस्ताव को इस समय स्वीकृत करना ''म्यामां में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने की दिशा में हमारे संयुक्त प्रयासों के लिए अनुकूल नहीं है। इसलिए हम इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हो रहे''। प्रस्ताव के समर्थकों को उम्मीद थी कि 193 सदस्यीय विश्व संस्था सर्वसम्मति से इसे स्वीकृत कर देगी लेकिन बेलारूस ने मतदान कराने का आह्वान किया। प्रस्ताव के पक्ष में 119 देशों ने वोट किया, बेलारूस ने इसका विरोध किया, जबकि भारत, चीन और रूस समेत 36 देशों ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

यह प्रस्ताव यूरोपीय संघ और कई पश्चिमी देशों एवं दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के 10 सदस्यीय संघ (आसियान), जिसमें म्यामां भी शामिल है, सहित तथाकथित 'कोर ग्रुप' की लंबी बातचीत का परिणाम था। संयुक्त राष्ट्र के एक राजनयिक ने कहा कि प्रस्ताव पर सर्वसम्मति के लिए आसियान के साथ एक समझौता किया गया था, लेकिन वोट के दौरान इसके सदस्य देश एकमत नहीं दिखे। आसियान के सदस्यों इंडोनेशिया और वियतनाम सहित कुछ देशों ने पक्ष में वोट किया तथा थाईलैंड और लाओस सहित अन्य ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला, लेकिन महासभा की यह कार्रवाई एक फरवरी को हुए सैन्य तख्तापलट की निंदा करती है जिसके तहत आंग सान सू ची की पार्टी को सत्ता से हटा दिया गया था। तख्तापलट के बाद से सू ची और सरकार के कई अन्य नेता एवं अधिकारी नजरबंद हैं जिसके विरोध में देश में प्रदर्शन चल रहा है। हालांकि यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया की आर्थिक समस्याएं दूर करने का लिया संकल्प

काठमांडू। (एजेंसी)।

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सत्तारूढ़ पार्टी की एक बड़ी बैठक के समापन पर अपने देश में खाद्य की कमी को स्वीकार किया और गहराती आर्थिक समस्याओं से बाहर निकालने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने अधिकारियों से अमेरिका के साथ वार्ता एवं टकराव दोनों के लिए तैयार रहने को कहा। उत्तर कोरिया के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष प्रतिनिधि सुंग किम रुकी हुई परमाणु संबंधी कूटनीति पर शनिवार को वार्ता के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचे। इससे कुछ ही देर पहले उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम का बयान जारी किया। किम जोंग उन ने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की चार दिवसीय पूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक देश की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को उबारने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी, जो

वर्षों के कुप्रबंधन और अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण खराब स्थिति में हैं और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर देश की सीमाएं बंद होने के कारण स्थिति और बदतर हो गई है। 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि किम ने शुक्रवार को बैठक के समापन पर केंद्रीय समिति की ओर से ''शपथ'' ली कि पार्टी ''क्रांति के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों का सामना निश्चित रूप से करेगी''। इससे पहले, किम ने अपनी सरकार को अमेरिका के साथ बातचीत और टकराव दोनों के लिए तैयार करने का आदेश दिया था। अमेरिका उत्तर कोरिया से परमाणु हथियार संबंधी अपनी महत्वाकांक्षाओं को त्यागने और वार्ता पर लौटने का आग्रह कर रहा है। किम ने अपनी परमाणु क्षमता बढ़ाने की धमकी दी है और कहा है कि कूटनीति और द्विपक्षीय संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि वाशिंगटन उन नीतियों को छोड़ता है या नहीं, जिन्हें वह शत्रुतापूर्ण समझते हैं। किम ने मंगलवार को केंद्रीय समिति की पूर्ण बैठक की शुरुआत में संभावित खाद्य कमी को लेकर सचेत किया और अधिकारियों से कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के तरीके खोजने का आग्रह किया क्योंकि स्थिति ''अब तनावपूर्ण हो रही है''। उन्होंने कहा कि देश को कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों में विस्तार के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे यह संकेत मिलता है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था पर संकट के बावजूद महामारी से निपटने के लिए सीमाओं को बंद करने समेत अन्य कदमों को विस्तार देंगे।

भारत में सबसे पहले आया कोरोना का डेल्टा स्वरूप अब 80 देशों में पाया गया!

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। (एजेंसी)।

कोविड-19 का डेल्टा स्वरूप विश्व में इस वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में प्रबल होता जा रहा है क्योंकि यह कहीं अधिक तेजी से संचारित होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथ ने शुक्रवार को यह दावा किया। कोविड-19 का डेल्टा स्वरूप सबसे पहले भारत में सामने आया था। डब्ल्यूएचओ द्वारा 15 जून को जारी कोविड-19 साप्ताहिक महामारी विज्ञान अपडेट के मुताबिक डेल्टा स्वरूप अब करीब 80 देशों में पाया जा रहा है।बी.1.617.2 डेल्टा स्वरूप का सबसे पहले भारत में अक्टूबर 2020 में पता चला था। स्वामीनाथन ने शुक्रवार को जिनेवा में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि डेल्टा स्वरूप विश्व में कोविड-19 का सर्वाधिक प्रबल स्वरूप बनता जा रहा है क्योंकि इससे कहीं अधिक तेजी से संक्रमण का प्रसार होता है।

गौरतलब है कि उनकी टिप्पणी से कुछ ही घंटे पहले पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड ने कहा था कि डेल्टा स्वरूप से संक्रमण में ब्रिटेन में एक सप्ताह में

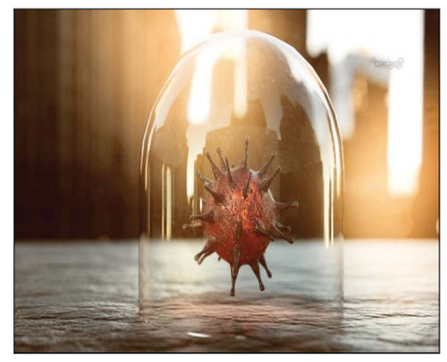

33,630 की वृद्धि हुई और अभी तक 75,953 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। देश में कोविड-19 संक्रमण के 99 प्रतिशत मामले इसी स्वरूप से हैं। वाशिंगटन में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक रोशेल वेलेंस्की ने कहा कि उन्हें लगता है कि डेल्टा स्वरूप अमेरिका में सर्वाधिक लोगों को संक्रमित करने वाले कोरोना वायरस स्वरूप के रूप में उभरेगा। जिनेवा में स्वामीनाथन ने कहा कि कोविड-19 के अलग-अलग स्वरूपों के खिलाफ विभिन्न टीकों की प्रभाव क्षमता पर कहीं अधिक आंकड़े जुटाने की जरूरत है।

यूरोपीय संघ-ब्रिटेन के संबंध क्रासरोड पर, आधिकारिक चेतावनी

ब्रुसेल्स (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन के बीच संबंध उत्तरी आयरलैंड विवाद के बीच क्रासरोड पर हैं, अंतर-संस्थागत संबंधों और दूरदर्शिता के प्रभारी यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष मारोस सेफकोविक ने चेतावनी दी है। सेफकोविक ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा हम एक चौराहे पर हैं, अब हमारे पास नीचे जाने का रास्ता चुनने का विकल्प है- या तो हम एक साथ काम कर रहे हैं, या यूके अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन कर रहा है और एक अच्छे विश्वास में संलग्न है। या फिर यूके एकतरफा कार्रवाई करना जारी रखता है । सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेफकोविक ने चेतावनी दी कि एक गलत चुनाव से नीचे की ओर सर्पिल हो सकता है, दोनों पक्षों का ध्यान उनके एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी का निर्माण करने के मुख्य लक्ष्य से दूर हो सकता है। सेफकोविक उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल के लिए यूके की व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए अनिच्छा की बात कर रहे थे, जिसका उद्देश्य आयरलैंड के द्वीप पर एक नरम सीमा को लागू करना और गुड फ्राइडे समझौते से प्रेरित शांति को बनाए रखना है। प्रोटोकॉल ब्रेक्सिट सौदे का एक आधारशिला है, सेफकोविक पर जोर दिया, यूके से अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आह्वान किया। 9 जून को, दोनों पक्षों के अधिकारियों ने जी7 शिखर सम्मेलन से पहले उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल पर लंदन में बातचीत की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। ब्रेक्सिट के बाद के व्यापार पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ रहा है और कुछ सीमा जांच के लिए अनुग्रह अवधि जो इस महीने के अंत में समाप्त हो जाएगी।

रिपोर्टरें के अनुसार, ब्रिटिश विदेश सचिव डॉमिनिक रैब ने पिछले सप्ताह कहा था कि उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल का कार्यान्वयन बहुत एकतरफा था और लोगों पर वास्तविक विश्व प्रभाव पड़ा था। उन्होंने यूरोपीय संघ से थोड़ा सम्मान दिखाने का आह्वान किया। इस बीच, सेफकोविक ने शुक्रवार को अनुमान लगाया कि यूरोपीय संघ ने अपने नियमों को उल्टा और अंदर से बाहर करके पहले ही बहुत समझदारी दिखाई है, और वे चीजों को काम करने के लिए लचीलेपन से परे जाने के लिए तैयार हैं। अप्रैल में बेलफास्ट में दंगे भड़कने के कारण प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन से पहले ही हिंसा हो चुकी है। वफादारों और राष्ट्रवादियों ने दावा किया कि व्यापार समझौता उत्तरी आयरलैंड और ब्रिटेन के बाकी हिस्सों के बीच अवरोध पैदा करेगा। प्रोटोकॉल के तहत, उत्तरी आयरलैंड अपने बंदरगाहों पर यूरोपीय संघ के सीमा शुल्क नियमों को लागू करना जारी रखेगा, जिससे माल आयरलैंड

गणराज्य और शेष यूरोपीय संघ में प्रवाहित हो सके। इसे आयरिश समुद्री सीमा के रूप में जाना जाता है, जो उत्तरी आयरलैंड और यूके के अन्य हिस्सों के बीच एक नई व्यापार सीमा है। बेलफास्ट समझौता, या गुड फ्राइडे समझौता, ब्रिटिश और आयरिश सरकारों के साथ-साथ उत्तरी आयरलैंड के प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच गुड फ्राइडे, 10 अप्रैल, 1998 को हस्ताक्षरित समझौतों का एक समूह है। उत्तरी आयरलैंड शांति प्रक्रिया में एक प्रमुख राजनीतिक विकास के रूप में देखे जाने वाले इस सौदे ने इस क्षेत्र में संघर्ष की अवधि को समाप्त करने में मदद की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'आप' के नगरसेवक के साथ वराछा ज़ोन के कार्यपालक अभियंता की दादागिरी ने मनपा के अधिकारियों की मनमानी

जनता के लिये गुजरात नागरिक सेवा अधिनयम-2013 और सुचना का अधिकार -2005 तो अधिकारीयों के लिये एक मजाक बना दिया हैं, न तो काम सही करते हैं न ही हिसाब सही से दिखाते हैं, भष्टाचार परम धर्मो की निति-नियम से क्या सुरत मनपा का कार्य चल रहा हैं ?

क्रांति समय दैनिक

सूरत नगर निगम में निगम के अधिकारी लोक निर्माण कार्य कर प्रशासनिक प्रक्रिया में उलझा रहे हैं, जिससे लोगों का काम लंबे समय तक नही हो प् रहा हैं, इस तरह आम आदमी पार्टी के पार्षद धर्मेंद्र वावलिया ने कार्यपालक अभियंता अमित देसाई के मनमानी को लोगों के सामने लाया।

वराछा ज़ोन में कार्यपालक अभियंता के पद पर कार्यरत अमित देसाई ने ठग की तरह व्यवहार किया.आप के पार्षद जब लोगों की समस्याएं रखने गया तो उसे जबरन कार्यालय से भागने पर मजबूर कर दिया गया.

राज्य सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगा काम : अमित देसाई

आप के नगरसेवक नगरीय विकास विभाग से मिलने गया तो अधिकारी मनीष डॉक्टर ने कहा, ''आप को वराछा ज़ोन के द्वारा गलत तरीके से मेरे पास भेजा गया है. यह मेरी समझ से परे है कि आपको यहां क्यों धकेला जा रहा है। सारा मामला तब सामने आया जब मनीष डॉक्टर से मिलने के बाद आपके पार्षद अमित देसाई के पास गए। अगर एक पार्षद के साथ इस तरह का बात अधिकारी कर रहे हैं तो आम जनता के साथ किस तरह से बात करते होयह अंदाज़ जनता तो लगा ही सकती हैं

सड़क की मरम्मत में अधिकारियों की दिलचस्पी नहीं

इस प्रकार आम आदमी पार्टी के पार्षद और वराछा ज़ोन के अमित देसाई सहित पदाधिकारियों द्वारा की गई प्रस्तुति से निगम के अधिकारियों के बुरे व्यवहार का सवाल बढ़ गया और आप के पार्षद को घेर लिया और धक्का दे दिया, जो वास्तव में अनुचित है. जनप्रतिनिधियों के साथ इस तरह का व्यवहार केवल अधिकारी ही कर सकते हैं क्योंकि जो सवाल उठाए गए थे वे जनता जनार्दन के थे,और अमित देसाई ने गलत तरीके से काम से छेड़छाड़ की थी. निगम में अधिकारियों का व्यवहार आम आदमी पार्टी के नेताओं को दबाने का होता दिख रहा है।

अधिकारी जनता को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं,

हालांकि पूरे घटनाक्रम के दौरान एक बात स्पष्ट हो जाती है कि जो काम नहीं होने वाला है, उसके लिए अधिकारी गलत तरीके से आने वाली जनता को भ्रमित करते हैं और लोगों का समय बर्बाद करते हैं। अंततः बार-बार अभ्यावेदन के बाद उन्होंने ऐसा प्रश्न किया। ताकि यह स्पष्ट हो जाए कि यह काम नहीं किया जा सकता। निगम के अधिकारियों का भाई-भतीजावाद सार्वजनिक है और वे लोगों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि सत्ताधारी दल के लिए ऐसे अधिकारियों को नियंत्रित करने के लिए सख्त कार्रवाई करना आवश्यक हो जाता है।

महापौर के वार्ड में लगे भाजपा के खिलाफ बैनर, लिखा - वोट की भीख मांगने मत आना

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर की महापौर को सत्ता संभाले अभी तीन महीने भी नहीं बीते कि उनका विरोध शुरू हो गया है। सूरत की महापौर हेमाली बोघावाला के वार्ड में ही भाजपा के खिलाफ पोस्ट लगाकर वोट की भीख न मांगने की चेतावनी दी गई है। सूरत के अडाजण क्षेत्र की हिमगिरी सोसायटी के लोगों ने पोस्टर लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा को वोट देकर बड़ी भूल की है। 25 साल से बिना किसी स्वार्थ के भाजपा के साथ खड़े रहे और उसे सत्ता पर आरूढ़ करने में हिमगिरी सोसायटी के लोगों ने बड़ा योगदान दिया है। लेकिन भाजपा ने 25 सालों से हमें विकास से दूर रखा है। चुनाव के वक्त भाजपा नेता बार बार उनकी सोसायटी में वोट मांग आते हैं और वादा करते हैं कि उनके शासन में विकास कार्यों को लेकर कोई शिकायत नहीं होगी। लेकिन चुनाव खत्म होते ही भाजपा नेता अपना वादा भूल जाते हैं। 25 सालों से सोसायटी के रास्तों का काम नहीं हुआ। जबकि पिछले 15 सालों से महानगर पालिका के अधिकारियों के समक्ष पेशकश की जा रही है। इसके बावजूद 15 साल में एक भी नेता ने अधिकारियों के साथ मिलकर उनके क्षेत्र का काम नहीं किया। अपने वार्ड में लोगों का विरोध देख हेमाली बोघावाला हरकत में आईं और उनकी समस्याएं ध्यान से सुनकर जल्द ही निपटारे का वादा किया। अब देखना होगा महापौर के वार्ड की लोगों की समस्या का समाधान कब होता है। होता या नहीं यह आनेवाला वक्तही बताएगा।

सार-समाचार

अहमदाबाद महानगर पालिका के पूर्व आयुक्त डॉ. गुरुप्रसाद महापात्रा का कोरोना से निधन

गुजरात काडर के आईएएस और अहमदाबाद महानगर पालिका के पूर्व आयुक्तडॉ. महापात्रा का कोरोना से निधन हो गया है। डॉ. महापात्रा के निधन से आईएएस अफसरों में शोक व्याप्त है। राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने डॉ. महापात्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्तकर श्रद्धाजंलि दी है। कोरोना संक्रमित होने के बाद डॉ. महापात्रा का दिल्ली के एइम्स में उपचार चल रहा था। जहां आज सुबह महापात्रा ने अंतिम सांस ली। डॉ. महापात्रा 1986 की बैच के आईएएस अधिकारी थे। उन्होंने राजकोट, जूनागढ़ में बतौर कलेक्टर सेवा की थी। लंबे समय से डॉ. महापात्रा डेप्यूटेशन पर कॉमर्स विभाग में सचिव थे। महापात्रा एयरपोर्ट ऑथोरिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं। असरदार कार्यवाही के लिए विख्यात डॉ. महापात्रा का नाम गुजरात में मुख्य सचिव तौर पर चर्चा में था, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात काडर के आईएएस अधिकारी डॉ. गुरुप्रसाद महापात्रा के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। श्रद्धाजंलि देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. महापात्रा के निधन से गुजरात ने एक संनिष्ठ अधिकारी गंवा दिया है। प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को सदगति और उनके परिवार यह दु:ख सहन करने की शक्तिप्रदान करे।

सुमूल डेयरी ने प्रति लीटर दूध की कीमत में दो रुपए का किया इजाफा, नए दर रविवार से प्रभावी

सूरत, पिछले सवा साल से कोरोना महामारी, बेरोजगारी और पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों से जूझ रहे लोगों को सुमूल डेयरी ने झटका दिया है। सुमूल डेयरी ने प्रति लीटर दूध की कीमत में रु 2 का इजाफा कर आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। रविवार से नए दर प्रभावी होंगे। सुमूल डेयरी के निदेशक जयेश पटेल ने बताया कि 20 जून से प्रति लीटर दूध की कीमत में 2 रुपए की वृद्धि की गई है। करीब 18 महीने यानी दिसंबर 2019 के बाद दूध की कीमत में इजाफा किया गया है। डीजल महंगा होने के कारण परिवहन खर्च बढ़ा है। साथ ही उत्पादन खर्च के भी बढ़ने से दूध की कीमत में वृद्धि की गई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बारामूला में नार्को मॉड्यूल का पर्दाफाश, ज्वाइंट ऑपरेशन में 10 लोग गिरफ्तार, हथियार के साथ 22 लाख कैश बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पुलिस और सेना ने एकसाथ मिलकर ज्वाइंट ऑपरेशन किया। जिसकी बदौलत एक बड़े नार्को मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तारी भी हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास हेरोइन, 8 पिस्टल, कई मैग्जीन, कारतूस और 22 लाख रुपए कैश बरामद हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 7 से 8 किलो हेरोइन मिली है। समाचार एजेंसी के मुताबिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ लोग नार्को मॉड्यूल चला रहे हैं। हमने नाकेबंदी की, वाहनों की तलाशी ली। हमने 10 लोगों को पकड़ा हैं। 7-8 किलो हेरोइन समेत कई हथियार मिले हैं। 22 लाख कैश भी मिला है। इस मामले में पुलिस ने एक ट्रक, एक कार और एक स्कूटी को भी सीज किया है। सुरक्षाबलों को जानकारी मिली कि ट्रक, कार और स्कूटी का इस्तेमाल हेरोइन की सप्लाई के लिए किया जा रहा है। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने वाहनों को सीज कर दिया।

गुरुग्राम: कोर्ट में फर्जीवाड़ा करने वाले पूर्व भाजपा विधायक के खिलाफ एफआईआर

गुरुग्राम। जिला टाउन प्लानर (डीटीपी) की एक शिकायत के बाद, गुरुग्राम पुलिस ने शुक्रवार को गुरुग्राम के एक पूर्व भाजपा विधायक सहित तीन लोगों के खिलाफ अदालती रिकॉर्ड बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के अनुसार, 16 मई को पूर्व भाजपा विधायक उमेश अग्रवाल के सहयोगियों ने 10 जून को सेक्टर-77 खेरकी दौला में एक अवैध कॉलोनी में विध्वंस अभियान चलाने के लिए डीटीपी टीम के अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी। जिला टाउन प्लानर आर.एस. बाथ ने अपनी पुलिस शिकायत में आरोप लगाया कि पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर जाली अदालती सम्मन प्रसारित किया था, जिसमें दावा किया गया था कि एक अदालत द्वारा डीटीपी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू की गई है। शिकायत के बाद सेक्टर-14 पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महबूबा को 24 जून की बैठक का आमंत्रण मिलने के बाद पीडीपी नेता हुए रिहा

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 24 जून को होने वाली सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती निमंत्रण मिलने के कुछ घंटे बाद जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने शनिवार को उनके चाचा और पीडीपी के वरिष्ठ नेता सरताज मदनी को नजरबंदी से रिहा कर दिया। मदनी को 21 दिसंबर, 2020 को पीडीपी के एक अन्य वरिष्ठ नेता नईम अख्तर के साथ हिरासत में लिया गया था। मदनी को पहले दक्षिण कश्मीर के बिजबेहरा कस्बे में पुलिस ने तीन दिन के लिए नजरबंद किया था। इसके बाद उन्हें श्रीनगर के एमएलए हॉस्टल में भेजा गया, जहां वह शनिवार तक नजरबंद रहे। नईम को नजरबंद होने से रिहा कर दिया गया, लेकिन 12 मई, 2021 तक नजरबंद रहना था। पीडीपी प्रवक्ता ने मधु की रिहाई की पुष्टि की है। सूत्रों ने यहां बताया कि मदनी की रिहाई 24 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होने के दिल्ली के निमंत्रण के बाद हुई।

सरकार यह गलतफहमी अपने दिमाग से निकाल दे कि किसान वापस जाएंगे: राकेश टिकैत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान लगातार 7 महीने से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बैठे हुए हैं। किसान आंदोलन लगातार चल रहा है। इन सबके बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक राकेश टिकैत ने कहा कि देश की राजधानी को किसानों ने पिछले 7 महीनों से घेर रखा है। भारत सरकार को शर्म नहीं आती? हम कहां बैठें? हमारा कोई घर है वहां। ये गलतफहमी सरकार अपने दिमाग से निकाल दे कि किसान वापस जाएगा। वही किसान आंदोलन में एक व्यक्ति की हत्या को लेकर भी राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। राकेश टिकैत ने कहा कि इसे मर्डर नहीं कह सकते। एक बयान उसने सरपंच को दिया, कहा कि तेल गिराकर आग लगाई। दूसरा मरने वाले के ही बयान हैं उसमें कहा कि मेरा घर से झगड़ा हो रहा था और मैं खुद पेट्रोल लाया। उसकी पेट्रोल लाने की फूटेज भी है। इसकी जांच हो जाए।

जम्मू कश्मीर में आग लगने से नौ दुकानें जलकर खाका

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आग लगने से कम से कम नौ दुकानें जलकर खाक हो गयी जबकि यहां जम्मू कश्मीर सड़क परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) यार्ड में आग लगने की एक अन्य घटना में वहां खड़ी एक बस और दर्जनों टायर जल गए। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ के मंडी इलाके में तड़के करीब पौने चार बजे लोरान बस स्टैंड के पास एक दुकान में आग लगी और वह आसपास की दुकानों तक फैल गयी। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मी आग बुझाने में कामयाब रहे। नौ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गयी हैं और आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में जम्मू के नरवाल इलाके में ट्रांसपोर्ट नगर में जेकेआरटीसी टायर पंक्चर मरम्मत कार्यशाला में सुबह करीब साढ़े आठ बजे आग लगी।

क्षेत्रीय दल कभी देश और प्रदेश और समाज का भला नहीं कर सकते : जितिन प्रसाद

लखनऊ। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद शनिवार को पहली बार लखनऊ के दौरे पर आये पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने क्षेत्रीय दलों का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि क्षेत्रीय दल कभी देश, प्रदेश और समाज का भला नहीं कर सकते हैं। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में अपने स्वागत समारोह के दौरान प्रसाद ने पत्रकारों से कहा, क्षेत्रीय पार्टियों के लिए देश और प्रदेश की प्राथकिमता दूसरे नंबर पर आती है और इन पार्टियों ने नेता नहीं बनाया बल्कि इसे नेता लोगों ने बनाया है और ये व्यक्ति विशेष के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) मुख्य विपक्षी दल है और सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भाजपा के खिलाफ लगातार आक्रामक हैं। भाजपा में शामिल होने की अपनी खुशी व्यक्त करते हुए प्रसाद ने कहा, मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण करने का सुअवसर मिला और आज मेरी इस नई राजनीतिक यात्रा में अपने गृह प्रदेश में आप सबके बीच आने का अवसर मिला। गौरतलब है कि लंबे समय से कांग्रेस से नाराज चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री और युवा नेता प्रसाद ने नौ जून को नई दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए इसे एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

प्रसाद भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश में आये तो राजधानी लखनऊ में भाजपा की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि इनका जहां जहां दौरा होगा, वहां वहां भाजपा का कद बढ़ेगा। भाजपा राज्य मुख्यालय में स्वागत के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के कुशल नेतृत्व में जो तमाम जनहित की योजना और नीतियां चल रही हैं, मैं विश्वास दिलाता हूं किसशक्त रूप से मेहनत करके जन जन तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा। भाजपा में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय सोच समझकर, जन भावना और समर्थकों की इच्छा के अनुरूप लिया और यह बात आई कि अगर देश-प्रदेश के सुनहरे भविष्य का सवाल है तो वह मोदी और भाजपा की छत्रछाया में ही संभव है। ब्राह्मण चेतना परिषद के जरिये भाजपा सरकार पर लगातार प्रसाद द्वाराकिये जा रहे हमले और अब नई भूमिका के बारे

में पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा कि ब्राह्मण चेतना परिषद का मैं संरक्षक था और मैंने उसके कार्यक्रमों में खूब भाग लिया। यह गैर राजनीतिक संगठन है और वहां यह तय नहीं होता था कि समाज कहां वोट देगा या जितिन प्रसाद किस पार्टी में जाएंगे या रहेंगे।

उन्होंने कहा, वहां (ब्राह्मण चेतना परिषद) ये तय होता था और ये चर्चा होती थी कि समाज को कैसे संगठित किया जाए और समाज के नौजवानों का भविष्य कैसे सुरक्षित किया जाए। कहां उत्पीड़न और शिकायत है, उसका कैसे निस्तारण किया जाए। मैं समझता हूं कि भारतीय जनता पार्टी में आने के बाद और सशक्त रूप से वह कार्य कर सकूंगा। भाजपा की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, देश में एक ही दल (भाजपा) रह गया है जहां कोई भी फैसला कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप होता है, एक ही यह पार्टी है जहां सामान्य परिवार का व्यक्ति भी शीर्ष पदों पर जा सकता है।

ज्ञात हो कि जितिन प्रसाद उन 23 नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने पिछले साल कांग्रेस में सक्रिय नेतृत्व और संगठनात्मक चुनाव की मांग को लेकर पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी थी।पत्र से जुड़े विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की कांग्रेस कमेटी ने प्रस्ताव पारित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, जिसे लेकर विवाद भी हुआ था। हालांकि बाद में प्रसाद ने कहा था कि उन्हें कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में पूरा विश्वास है।

युवा कांग्रेस ने राहुल के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया, जरूरतमंदों की मदद की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस की युवा इकाई ने शनिवार को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया और जरूरतमंद लोगों को राशन एवं राहत सामग्री मुहैया कराई। भारतीय युवा कांग्रेस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय में जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित की गई, टीकाकरण का शिविर लगाया गया और बेरोजगारों को सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी युवा कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने ओला, ऊबर की कई महिला ड्राइवरों को राशन किट वितरित की तथा रोजगार खो चुके नागरिकों को एवं विकलांगजनों को सहायता राशि उपलब्ध कराई। वेणुगोपाल ने कहा, ''राहुल गांधी समय समय पर केंद्र सरकार को उसकी जिम्मेदारी एवं कर्तव्य के प्रति सचेत कर जनहित के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान प्रदान कर रहे हैं। आज कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता देशभर में उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मना रहे हैं।'' भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा, ''देश भर के भारतीय युवा कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने हर जरूरतमंद नागरिकों को हर सम्भव सहायता प्रदान की।

एम्स डायरेक्टर के बयान ने बढ़ाई चिंता, अगले 6 से 8 हफ्तों के बीच आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी का कहर जारी है। इन सबके बीच कोरोना की दूसरी लहर से देश निकलने की कोशिश कर रहा है। कोरोना की दूसरी लहर से देश को भयानक क्षति पहुंची है। इन सबके बीच एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बड़ा बयान दिया है। रणदीप गुलेरिया ने एक निजी समाचार चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि अगले 6 से 8 हफ्तों के बीच देश में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है। डॉक्टर गुलेरिया ने साथ में यह भी कहा कि तीसरी लहर से फिलहाल नहीं बचा जा सकता है। आपको बता दें कि दूसरी लहर के शांत पड़ने के बाद कई राज्यों में प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। ऐसे में एम्स डॉक्टर की यह बातें चिंता बढ़ाने वाली हैं। केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों से अपील की है कि वह कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए लॉकडाउन खोलते समय कोविड अनुकूल व्यवहार, जांच-निगरानी-इलाज, टीकाकरण जैसी 'अति महत्वपूर्ण' पांच रणनीतियां अपनाए। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे संदेश में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि संक्रमण के प्रसार की कड़ी को तोड़ने के लिए मौजूदा परिदृश्य में कोविड-19 रोधी टीकाकरण बेहद अहम है।

भारतीय वायुसेना में 2022 तक राफेल को शामिल करने का लक्ष्य: वायु सेना प्रमुख

हैदराबाद। (एजेंसी)।

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने शनिवार को कहा कि 2022 तक वायुसेना में 36 राफेल विमान शामिल कर लिये जायेंगे। फ्रांस से 36 लड़ाकू विमान प्राप्त करने की समय सीमा के बारे में एक संवाददाता द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राफेल को शामिल करने की योजना पर वायु सेना का लक्ष्य निश्चित है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य 2022 है। यह एकदम निश्चित है। मैंने पहले भी इसका उल्लेख किया था। एक या दो विमानों को छोड़कर, कोविड संबंधी कारणों से थोड़ी देर हो सकती है, लेकिन कुछ विमान समय से पहले आ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए राफेल को शामिल करने की योजना पर हमारा लक्ष्य एकदम तय है। संचालन की योजना पर जैसा कि आप जानते हैं, हम पूरी तरह तैयार हैं, इसलिए समय के संदर्भ में हम एकदम समय पर काम पूरा करेंगे।' एयर चीफ मार्शल

भदौरिया, यहां डुंडीगल में वायु सेना अकादमी की 'कम्बाइंड ग्रेजुएशन परेड' का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। वर्ष 2016 में भारत ने फ्रांस के साथ एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके अनुसार, 59,000 करोड़ रुपये में 36 राफेल विमान खरीदे जाने थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फरवरी में कहा था कि अप्रैल 2022 तक देश में लड़ाकू विमानों की पूरी खेप मौजूद होगी। पूर्वी लद्दाख की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि चीन और भारत के बीच बातचीत जारी है और पहला कदम यह है कि समझौता कर आगे बढ़ा जाए और संघर्ष के बिंदुओं पर पीछे हटने की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाए।

वायु सेना बेड़े से मिग-21 विमानों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के संबंध में भदौरिया ने कहा कि पुराने विमानों के वर्तमान स्क्वाड्रन को उनके काम करने के आधार पर अगले दो-तीन सालों में हटा दिया जायेगा और उनके स्थान पर 'हल्के लड़ाकू विमान' (एलसीए) शामिल किए जाएंगे। एयर चीफ मार्शल ने कहा, 'विमानों को शामिल करने की योजना पहले से है, जैसा कि आप जानते हैं कि एलसीए की चार स्क्वाड्रन के आर्डर दिए गए हैं। उन्हें अगले साढ़े तीन सालों में शामिल किया जाएगा।' इससे पहले 'कम्बाइंड ग्रेजुएशन परेड' को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने कहा कि वायु सेना हर पहलू में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों और युद्ध शक्ति के साथ एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है।

दिल्ली सरकार ने 6 शहीदों के परिवारों को दी 1-1 करोड़ रुपए की सहायता राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार ने उन 6 शहीदों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया है, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अभूतपूर्व कार्य करते हुए देश के लिए शहादत दी। शनिवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इसकी जानकारी दी।

दिल्ली के द्वारका निवासी फ्लाइट लेफ्टिनेंट सुनीत मोहंती असम में वायुसेना के एक ऑपरेशन के दौरान एक विमान दुर्घटना में देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। सुनीत के परिवार ने अपना इकलौता बेटा खोया है ऐसे में उनके माता-पिता को दिल्ली सरकार 1 करोड़ की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में रहने वाले वायुसेना के जवान राजेश कुमार असम में एक विमान दुर्घटना में शहीद हुए थे।

उनकी पत्नी अपने 2 साल के बच्चे के साथ माता-पिता के यहां रहती है। दिल्ली सरकार ने स्वर्गीय राजेश कुमार के परिवार बेहतर भविष्य के लिए 1 करोड़ की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। दिल्ली के अशोक विहार के निवासी वायुसेना के स्क्वाडर्न लीडर मीत कुमार हिमाचल में मिग -21 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से शहीद हो गए। मीत कुमार के रूप में देश ने अपना एक जांबाज पायलट खो दिया है। दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। दिल्ली में वसंत विहार के निवासी और दिल्ली पुलिस में एसीपी संकेत कौशिक दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे। एक रात ड्यूटी के दौरान एक ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गयी। उनकी तीन बेटियां हैं और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनकी पत्नी प्रभा पर है। शहीद संकेत के परिवार को कोई परेशानी न हो इसलिए दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रूपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल विकास कुमार ने ड्यूटी के दौरान एक गाड़ी को चेकिंग के लिए रोकने की कोशिश की तो उस गाड़ी ने उनको कुचल दिया। उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया देने के लिए दिल्ली सरकार उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

कश्मीरी प्रवासियों ने मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंदी से रिहा करने की मांग की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंदी से रिहा करने की मांग की जा रही है। वह पिछले 23 महीनों से नजरबंद हैं।

रिकाउंसिल रिटर्स एंड रिहेबिलेशन ऑफ माइग्रेंट्स के अध्यक्ष सतीश महलदार ने कहा कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष के रूप में, उमर फारूक की कश्मीर घाटी में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और राजनीतिक भूमिका है। वह कश्मीर के मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, मीरवाइज उमर फारूक भी आतंकवाद का शिकार रहे हैं। 17 साल की उम्र में उनके पिता की अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। मीरवाइज उमर फारूक हमेशा युवाओं द्वारा बंदूक उठाने से चिंतित रहते हैं और वह हमेशा मुद्दे के समाधान की वकालत करते हैं। बयान के अनुसार, आतंकवादी अभियानों में वृद्धि और बढ़ते नागरिक और बलों की मौत ने उन्हें हमेशा चिंतित किया है। एक नेता होने के नाते, वह कभी चुप नहीं रहे और न ही एक दर्शक रहे, उन्होंने हमेशा रक्तपात का विरोध किया और युवाओं की रक्षा के खिलाफ वकालत की है। उन्होंने हमेशा आग्रह किया है सरकार रक्तपात के इस चक्र को रोकने के लिए युवाओं को एक विकल्प दे। मीरवाइज एकमात्र कश्मीरी नेता हैं, जिन्होंने नशे के खिलाफ आवाज बुलंद की है। मीरवाइज उमर फारूक ने हमेशा सरकारों से युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार देने और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने का आग्रह किया है। बयान के अनुसार, वह एकमात्र मुस्लिम नेता हैं जिन्होंने खुले तौर पर कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी की वकालत की है। उन्होंने कश्मीर में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को संबोधित करने के लिए एक अंतर-समुदाय टीम बनाने के लिए अपनी तरह की पहली पहल की। बयान में कहा गया है, मीरवाइज उमर फारूक ने हमेशा कश्मीर समस्या को हल करने के लिए बातचीत का समर्थन किया है। वह नवाज शरीफ के कार्यकाल के दौरान नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान यात्रा की सराहना करने वाले पहले व्यक्ति थे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव के बाद हुई हिंसा पर ममता सरकार को लगाई फटकार

कोलंबो। (एजेंसी)।

कोलकाता, 19 जून (आईएएनएस)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शनिवार को ममता बनर्जी सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य ने चुनाव के बाद की हिंसा से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इससे पहले हाल ही में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर यह आरोप लगाया था कि राज्य सरकार चुनाव के बाद की हिंसा के कारण लोगों की पीड़ा के प्रति निष्क्रिय और उदासीन बनी हुई है। हाईकोर्ट ने कहा, ऐसे मामले में, जहां आरोप लगाया है कि राज्य के निवासियों का जीवन और संपत्ति कथित चुनाव बाद की हिंसा के कारण खतरे में हैं, राज्य को अपनी पसंद के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। यह राज्य का कर्तव्य है कि वह कानून एवं व्यवस्था बनाए रखे और राज्य के निवासियों में विश्वास पैदा करे। पांच सदस्यीय पीठ ने उन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि सैकड़ों लोग हिंसा के कारण विस्थापित हो गए हैं और वे अब संभावित प्रतिक्रिया के डर से अपने घरों को लौटने में असमर्थ हैं। यह भी कहा है कि हालांकि कार्रवाई राज्य द्वारा की जानी चाहिए थी, लेकिन मामला कोर्ट में लंबित होने के बावजूद जाहिर तौर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को याद दिलाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना और लोगों में विश्वास पैदा करना उनका कर्तव्य है। पीठ में न्यायमूर्ति आई. पी. मुखर्जी, हरीश टंडन, सौमेन सेन और सुब्रत तालुकदार भी शामिल रहे। कोर्ट ने राज्य से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी तरह की कोई बाधा न हो। आदेश में कहा गया है, इस तरह की रुकावट को गंभीरता से लिया जाएगा, जिसके लिए अन्य चीजों के अलावा अदालत की अवमानना अधिनियम के तहत कार्रवाई हो सकती है। न्यायालय ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को उन विस्थापित व्यक्तियों की शिकायतों पर गौर करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें उनके घर लौटने से रोका जा रहा है। अदालत ने उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाने को भी कहा। अदालत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को एक समिति गठित करने का आदेश दिया, जो पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों द्वारा दायर शिकायतों की जांच करेगी। इससे पहले, हाईकोर्ट ने एंटली निर्वाचन क्षेत्र के विस्थापित व्यक्तियों के पुनर्वास के समन्वय के लिए एनएचआरसी, एसएचआरसी और एसएलएसए द्वारा नामित सदस्यों से बनी एक

समिति का गठन किया था। समिति सभी मामलों की जांच करेगी और हो सकता है कि वह प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके वर्तमान स्थिति के बारे में न्यायालय को एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)